RNI:RJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2021-23
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2021

शिव आमंत्रण

आध्यात्म की नई उड़ान

सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण

05 मन का ध्यान रखने से स्थिति होती जाएगी ऊंचीः ब्रह्माकुमारी शिवानी

16 उपराष्ट्रपति नायडू व केंद्रीय मंत्री रविशंकर ने जारी किया दादी जानकी का पोस्टल स्टाम्प

वर्ष 08 | अंक 05 | हिन्दी (मासिक) | मई 2021 | पृष्ठ 16 | मूल्य ₹ 9.50

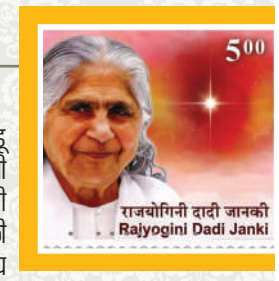

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड > एशिया महाद्वीप का सबसे बड़ा बिना पिलर वाला हॉल का है तगमा

31 दिसंबर 1995 को बनकर हुआ था तैयार

08 माह में पूरा हो गया था निर्माण कार्य

18 जनवरी 1996 को हुआ था लोकार्पण

25 वर्ष पूर्ण होने पर मनाएंगे स्वर्ण जयंती

24 हजार लोगों के बैठने की है क्षमता

50 लाख लोगों की आध्यात्मिक उड़ान का केंद्र बना 'डायमंड हॉल'

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय आबू रोड के शांतिवन परिसर की शोभा है डायमंड हॉल

46 दरवाजों से हॉल में जाने के लिए सुविधा

01 लाख वर्ग फीट में बना है डायमंड हॉल

18 भाषाओं में ट्रांसलेट की सुविधा

150 किमी प्रतिघंटा की रतार से हवा सहन करने की क्षमता

02 लाख लोग यहां से प्रतिवर्ष आध्यात्मिक ज्ञान लेकर जाते हैं

शिव आमंत्रण । आबू रोड। डायमंड हॉल। एक लाख वर्ग फीट एरिया। 220 फीट चौड़ाई और 56 फीट ऊंचाई। 8 माह में बनकर हुआ तैयार। 24 हजार लोगों के बैठने की क्षमता। 46 दरवाजों से प्रवेश। 150 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा के वेग को सहन करने की क्षमता। इन्हीं खूबियों के साथ ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मुख्यालय आबू रोड शांतिवन स्थित डायमंड हॉल ने अपनी स्थापना के गौरवपूर्ण 25 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। आध्यात्मिक प्रेमियों के लिए यह हॉल परमात्म मिलन और आध्यात्मिक उड़ान का एयरपोर्ट बनकर उभरा है। यहां से प्रति वर्ष करीब दो लाख लोग आध्यात्मिक शिक्षा लेकर जाते हैं। हॉल में 25 वर्षों के दौरान हुए विभिन्न कार्यक्रम, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, राजयोग और परमात्म मिलन शिविर से करीब 50 लाख लोग यहां की दिव्यता, शांति और पवित्र वातावरण को महसूस कर चुके हैं। डायमंड हॉल की खूबियों को बयां करती शिव आमंत्रण की विशेष रिपोर्ट...

दादी के आह्वान पर एक-एक रुपये का दिया था दान

डायमंड हॉल के निर्माण के दौरान सबसे मुख्य बात ब्रह्माकुमारीज़ की तत्कालीन मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के आह्वान पर ब्रह्माकुमार भाई-बहनों ने रोजाना एक-एक रुपया दान कर इसके निर्माण में भागीरथ बने थे। लोगों में उमंग-उत्साह इतना था कि सैकड़ों भाइयों ने हजारों किमी की यात्रा कर इस हॉल के निर्माण में श्रमदान किया था। जब तक इसका निर्माण पूर्ण नहीं हो गया सभी में दिन-रात एक ही धुनी लगी रहती थी। इसकी बदौलत यह हॉल मात्र छह माह में बनकर तैयार हो गया था।

डायमंड हॉल के अंदर विशाल संख्या में मौजूद भाई बहनें।

शांतिवन की शोभा है डायमंड हॉल

"डायमंड हॉल निर्माण में बीके भाई-बहनों ने उमंग-उत्साह से सेवा की थी। हॉल बनने के बाद से यहां राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सभा, सम्मेलनों का आयोजन करने में सुविधा रही। डायमंड हॉल शांतिवन परिसर की शोभा है। आशा है कि आगे भी यहां से आध्यात्म की शिक्षा लेकर लोग अपने जीवन को सफल बना सकेंगे। 25 वर्ष पूर्ण होने पर सभी को बधाई.... अनेकानेक शुभकामनाएं।"

● बीके राजयोगी निर्वैर, महासचिव, ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय

24 हजार लोग एक साथ बैठ सकते हैं-

डायमंड हॉल में जमीन और कुर्सी पर मिलाकर एकसाथ 24 हजार लोग बैठ सकते हैं। मंच पर एकसाथ सैकड़ों कलाकार प्रस्तुति दे सकते हैं। सबसे पीछे बालकनी भी बनाई गई है, जिसमें दो हजार की क्षमता है। इसकी खूबियों को देखते हुए लिका बुक ऑफ रिकॉर्ड के तत्कालीन एडिटर विजया घोष ने इसका नाम दर्ज किया और अद्वितीय हॉल बताया।

डायमंड हॉल की एक और विशेषता है कि इसके अंदर विश्व की 18 भाषाओं के ट्रांसलेशन की सुविधा भी है। यहां बैठकर आप मंच पर चल रहे कार्यक्रम को हिंदी के साथ अंग्रेजी, कन्नड़, तेलगु, मलयालम, उरीया, मराठी, रशियन आदि 18 भाषाओं में सुन सकते हैं। हॉल अनेक तरह की लाइटिंग के साथ हाईटेक कैमरों से लैस है। इसे संपूर्ण रूप से कवर करने के लिए 360 डिग्री एंगल से घूमने वाले कैमरे लगे हैं। साथ ही चार बड़ी एलईडी स्क्रीन भी लगी हुई हैं जिसके माध्यम से पीछे बैठे लोग आसानी से मंच पर चल रहे कार्यक्रम देख सकते हैं। हॉल से ही संस्थान के सैटेलाइट चैनल पीस ऑफ माइंड और अवेकनिंग टीवी चैनल पर सीधा प्रसारण देखा जा सकता है। पूरे परिसर में लगे टीवी में भी यहां का सीधा प्रसारण देख सकते हैं। प्रवेश के लिए चारों ओर से 46 दरवाजे लगे हुए हैं।

विश्वभर की कई महान हस्तियों का बना गवाह

यहां हुए विभिन्न आयोजन में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से लेकर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राजस्थान की तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल, उपराष्ट्रपति वेकैंया नायडू सहित देश व विश्वभर की राजनीतिक, धार्मिक हस्तियों ने भी शिरकत की है।

तेज हवा का वेग भी कुछ नहीं बिगाड़ सकता

हॉल 150 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चल रही हवा को भी सहन कर सकता है। इसे डोम के आकार का बनाया गया है। ताजी हवा के लिए खिड़कियों के साथ एयरकंडीशन की भी व्यवस्था की गई हैं। हर साल अक्टूबर से लेकर मार्च तक ब्रह्माकुमार भाई-बहनों की आध्यात्मिक उन्नति के लिए परमात्म मिलन शिविर आयोजित किए जाते हैं। जोन के हिसाब से प्रत्येक शिविर में 15-18 हजार लोग पहुंचते हैं। सालभर चलने वाले आयोजनों में दो लाख से अधिक लोगों का आगमन होता है।

चारों ओर लगाए सुंदर पेड़-पौधे

हॉल की सुंदरता बढ़ाने के लिए इसके चारों ओर खूबसूरत पेड़-पौधे लगाए गए हैं जिसकी इसकी भव्यता और चार चांद लगाते हैं। वहीं आगे की तरफ एक बड़ा मेडिटेशन हॉल और एक मीटिंग हॉल का भी निर्माण किया गया है। सबसे पीछे एक बड़ा पार्क भी मौजूद है, जिसमें बैठकर प्रकृति का आनंद ले सकते हैं।

दादी गुलजार की स्मृतियां ▶ 37 साल तक दादी के अंग-संग रहीं बीके नीलू बहन की अनुभव गाथा

दादी हमेशा कहतीं थीं मेरा संसार और संस्कार दोनों बाबा हैं: बीके नीलू

14 साल की उम्र से ही दादी के साथ अंग-संग रहने का मिला मौका, खुद को समझती हूं भाग्यशाली

■ **शिव आमंत्रण, आबू रोड** । मैं बचपन से ही अपने मम्मी-पापा के साथ मधुबन में आना-जाना करती थी। जब एक बार मधुबन में आई थी, तभी बड़ी दादी ने संदेशी दादी से पूछा यह बालकी गुलजार दादी के साथ रह सकती है? तभी संदेशी दादी ने बोला मैं पूछकर बताती हूं इनके माता-पिता से। इस पर हमारे घर वाले राजी नहीं हो रहे थे कि मैं अपना जीवन इधर आध्यात्मिक क्षेत्र में समर्पित करूं। लेकिन मेरी बहुत इच्छा थी। यह लाइफ मुझे बहुत अच्छा लगता था, समाज सेवा करना बाबा का बनकर रहना अच्छा लगता था। एक बार प्रकाशमणि दादी ने मुझे बुलाकर पूछा कि आप गुलजार दादी के साथ रहेंगी। मेरी उम्र 14 साल की थी उस समय मैंने बगैर सोचे-समझे हां कर दिया। फिर गुलजार दादी ने भी कहा कि मुझे यह बालकी पसंद है। फिर उसी दिन से मैं दादी गुलजार जी के साथ रहने लगी।

यह कहना है संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी गुलजार के अंग-संग 35 वर्षों तक रहीं बीके नीलू बहन कहा। उन्होंने शिव आमंत्रण से विशेष बातचीत में दादी के जीवन से जुड़े अनछुए पहलुओं को उजागर किया। साथ ही अपने जीवन यात्रा के अनुभव सांझा किए।

हर छोटी-छोटी बातों को दादी ने मुझे सिखाया

बीके नीलू बहन ने बताया कि शुरुआत में छोटी होने के कारण मुझे सब काम नहीं आते थे। लेकिन दादी ने मुझे सबकुछ सिखाया। कैसे सबके साथ बात करना है कैसे संगठन में रहना है। हर छोटी-छोटी बातों को दादी ने बताया। वर्ष 1985 की बात है जब पहले दादी में बाबा आते थे तब पूरी रात ओम शांति भवन में हम दादी के साथ ही होते थे। क्योंकि बाबा पूरी रात शाम को 6:30 बजे से लेकर सुबह के 4:30 बजे तक रहते थे। तभी से मैं पूरे टाइम दादी के साथ बाबा के साथ ही रहती थी। उसके बीच में कई ऐसे यज्ञ के कारोबार होते थे। उस समय हमें बड़ी दादी बोल कर जाती थीं कि आप बाबा से पूछ कर रखना। बाबा की भाषा अव्यक्त भाषा होती थी फिर भी मैं सबकुछ समझती थी। बाबा जो बोलते थे मैं समझ जाती थी। फिर बड़ी दादी आकर मुझसे पूछती थीं आपने बाबा से पूछ कर यह सवाल रखा तो मैं दादी को बताती थी कि मैंने सारी बातें बाबा से पूछ ली हैं।

बाबा अपना काम कराने के बाद हमारी बुद्धि को क्लीयर कर देता

बड़ी दादी को बताने के बाद फिर मैं सब कुछ भूल जाती थी। छोटी होने की वजह से हर कोई पूछते रहते थे बताओ ना, बाबा ने क्या बताया, बाबा ने क्या बोला, बाबा से क्या बात करते हो? फिर मैं बोल देती थी कि मुझे कुछ याद नहीं है लेकिन लोग समझते थे कि यह जान-बूझकर नहीं बताना चाह रही है लेकिन सच्चाई यही था कि बाबा अपना काम कराने के बाद हमारी बुद्धि को क्लीयर कर देता था उसके बाद मुझे कुछ याद ही नहीं रहता था। दादी के साथ रहते-रहते आगे बहुत कुछ पाठ खुलता गया कई बीमारियों का भी सामना हुआ। हम ब्रह्मा बाबा की कहानियां जरूर सुनते थे कि बाबा कैसे थे, कितने पावरफुल थे, लेकिन वह सब हमने दादी में प्रैक्टिकल रूप में देखा। दादी गुलजार हमेशा इतनी गंभीर रहती थीं और गंभीर रहकर हर कार्य करती थीं।

दादी बहुत कम बोलती थीं ऐसा नहीं कि बहुत वाचा में आएं। परंतु दादी गंभीर रहकर बहुत कुछ कह जाती थीं। दादी के सामने कोई भी व्यक्ति आता था तो वह संतुष्ट होकर जाता था। दादी के सामने भी कई समस्याएं आती लेकिन सब शांति से निपट जाता था।

लोग समस्याएं लेकर जाते लेकिन सामने भूल जाते

जैसे लोग कहते हैं बाबा के सामने लोग शिकायत लेकर जाते थे लेकिन तब उनके सामने पहुंचने के बाद सब भूल जाते थे। उसी तरह दादी के सामने भी लोग ऐसे ही अपनी बातें समस्याएं लेकर जाते लेकिन भूल जाते थे। दादी के सामने जो भी आते थे, सभी संतुष्ट होकर ही जाते थे। दादी का संस्कार ही संतुष्ट रहकर दूसरों को संतुष्ट करना था। कई बार दादी से लोग पूछते थे इतना देर आप कैसे स्थिर रहते हैं। दादी में बाबा ऐसे आते थे जैसे बहुत ताकतवर व्यक्तित्व आई हो। मैं दादी से कई बार पूछती थी आप ऊपर जाते हैं तो ऐसा क्या महसूस होता है? दादी बोली बाबा मेरा इंतजार करता है, मैं सबकुछ बाबा को सुना देती हूं।

फिर बाबा आ जाने के बाद दादी को कुछ पता नहीं होता था। बाबा अपना कार्य सब करा लेता, दादी को कुछ पता नहीं चलता था। बाबा जाने के बाद दूसरे दिन दादी खुद मुरली पढ़ती थीं। कई बार हम दादी से पूछते थे कि बाबा ने आपको क्या-क्या बताया। दादी कुछ नहीं बोलती थे। दादी हमेशा एनर्जेटिक रहती थीं। दादी की स्थिति हमेशा एक रस रहती थी। कोई बड़ी बात है या छोटी बात आए हर परिस्थिति में को आगे रखती थीं और कहते थे जो भी करेगा जो होगा सब बाबा ही करेगा। मैं बस निमित्त मात्र हूं, बाबा ने निमित्त बनाया है।

बाबा के अलावा अपने मन से चली ही नहीं

मेरा यही अनुभव है कि दादी जब नॉर्मल रीति से रहती थीं और जब बाबा उनके अंदर प्रवेश करता था तो दोनों अवस्था में काफी अंतर रहता था क्योंकि जैसे कोई छोटे होते हैं, दादी नॉर्मल अवस्था में वैसे ही होती थीं और जब बाबा उनके अंदर आता था तो वह काफी ऑलमाइटी अथॉरिटी दिखती थीं। दादी को जो भी बाबा बताता था वह हर किसी से तुरंत शेयर नहीं करती थीं। उसको खुद प्रैक्टिकल में करती थी। फिर बड़ी दादी को बताती थीं। इसलिए दादी गुलजार बड़ी दादी को छोड़कर कहीं नहीं जाती थीं। उनको देखकर लगता था कि बाबा ने उनको कुछ इशारा दिया हुआ है इसलिए कहीं नहीं जाती हैं। दादी कभी बाबा के अलावा अपने मन से चली ही नहीं। जब दादी जानकी जी ने शरीर छोड़ा तब मैंने दादी को बताया तो दादी कहती कि मुझे सबकुछ पता है। मैं वतन में गई थी और दादी जानकी को देखा, बाबा के साथ बैठी थीं।

दादीजी ने कभी अमृतवेला मिस नहीं किया

पिछले 37 साल में हमने कभी भी दादी को किसी को डांटते नहीं देखा। उनका चेहरा देखकर सबको बाबा याद आ जाता था। डांटने का प्रश्न ही नहीं उठता है। मुझसे अगर कभी ऊपर-नीचे हो भी जाता था तो दादी मुस्कुरा कर कहती थीं कोई बात नहीं आगे से बस ध्यान रखना। बस इसके सिवाय दादी और कुछ नहीं कहती थीं। हर समय बाबा के साथ कबाइंड होती थीं। नीचे का कुछ भी उन्हें पता ही नहीं चलता था। हमेशा दादी बाबा के साथ ही रहती थीं। दादी की दिनचर्या जिस तरह से सभी महान आत्माओं का होता है उसी तरह होता था। उन्होंने कभी अमृतवेला मिस नहीं किया। मुरली मिसिंग कभी नहीं किया। संदेश लिखने में उनका काफी टाइम जाता था। छोटे हों या बड़े दादी सबका क्लास सुनती थीं। कोई भी क्लास करा रहे हो सबका क्लास दादी कमरे में बैठकर सुनती थीं। दादी का मानना था कि सभी से सीख लेना चाहिए। हर आत्मा विशेष है।

दादी में बाबा को स्पेशल बुलाया जाता था

यज्ञ में जो भी होता था दादी को बाबा के माध्यम से पहले ही पता होता था। हम जब सुनाते थे दादी को कोई भी बात तो लगता था दादी को पहले से ही सब कुछ पता है। बस हम सिर्फ रिपीट कर रहे हैं। जब हमने दादी को यह बताया कि अब आप संस्था की मुख्य प्रशासक का बन गई हैं तब दादी ने कहा मुख्य बाबा है मैं कुछ नहीं। मैं बड़ी हूं ऐसा कुछ भी भान नहीं था दादी के पास। वह हमेशा कहती थीं बाबा ही सबकुछ है। बाबा ही सबकुछ कर आ रहा है। बाबा हमें जो भी सेवा देंगे हम सबकुछ करेंगे।

जब दादी प्रकाशमणि जी के सामने कोई बात या विघ्न आता था तब दादी में बाबा को स्पेशल बुलाया जाता था। प्राइवेट में बाबा से बात किया जाता था। आगे जो भी प्रोग्राम रखा जाता था सब बाबा से पूछ कर ही रखा जाता था। फिर उसी तरह सबको बड़ी दादी डायरेक्शन देती थीं। दादी गुलजार जी के माध्यम से दादी प्रकाशमणि ने बाबा से बिना पूछे कोई भी कदम नहीं उठाया। कुछ बनाना हो या कुछ परमिशन लेना हो या कोई भी ऐसा काम बिना बाबा को पूछे कुछ भी नहीं करती थी। यज्ञ से कहीं बाहर भी जाती थी तो बिना बाबा को पूछे नहीं जा सकती।

दादी की दृष्टि थी पावरफुल

कुछ समय से दादी अपनी नैनों की भाषा से ही हमें सब कुछ बताती थीं। अगर कुछ अच्छा भी नहीं लगा तो थोड़ी देर दृष्टि देतीं और आंखें बंद कर लेतीं। इससे हम समझ जाते थे कि इन्हें यह अच्छा नहीं लग रहा है। दृष्टि इतनी पावरफुल थी कि अगर आसपास कोई कुछ गलत भी कर रहा हो तो वे बैठे-बैठे विचलित हो जाते थे कि अभी हम ठीक नहीं कर रहे हैं। दादी की दृष्टि इतनी पावरफुल थी।

क्रमशः....

खेती में नए प्रयोग: नांदेड़ महाराष्ट्र के 34 किसान समूह बनाकर कर रहे यौगिक-जैविक खेती

यौगिक खेती से बदली किसानों की किस्मत

किसानों की पहल को कृषि मंत्री से लेकर कलेक्टर ने सराहा

आत्मा परियोजना के सहयोग से मिल रहा अनुदान

मालेगांव के किसान भगवान इंगोले की पहल लाई रंग

ऊं शांति आर्गेनिक फॉर्मर ग्रुप जिले के किसानों के लिए बना नजीर

नांदेड़ जिले में अलग से जैविक उत्पादों की बिक्री के लिए बनाया बाजार

बीके भगवान इंगोले जैविक-यौगिक खेती पद्धति के तहत लगाई गई फसल में साथियों के साथ।

शिव आमंत्रण । नांदेड़ (महाराष्ट्र)। **जहां चाह है, वहां राह है। इस बात को सही साबित कर दिखाया है महाराष्ट्र, नांदेड़ जिले के किसानों ने। ग्राम मालेगांव के किसान भगवान भाई की पहल पर किसानों ने आपस में मिलकर एक ग्रुप बनाया और शाश्वत यौगिक-जैविक खेती की शुरुआत की। इतना ही नहीं यौगिक-जैविक खेती से उत्पादित अनाज, दालें और सब्जी को इन्होंने व्यापारियों को न बेचकर खुद ही बेचने की ठानी। इसके लिए नांदेड़ जिले में बाकायदा जैविक बाजार बनाकर इसकी बिक्री शुरू कर दी। स्थिति ये है कि लोग जैविक तरीके से उत्पादित अनाज, दालें और सब्जी दोगुने तक दाम देकर खुशी-खुशी खरीदकर ले जाते हैं। किसानों की इस पहल की कृषि मंत्री से लेकर कलेक्टर ने सराहना करते हुए इन किसानों से सीख लेने की सलाह दी है। हाल ही ममहाराष्ट्र सरकार की ओर से विकेल ते पिकेल संत शिरोमणी सावता माली रयत बाजार अभियान में किसान भगवान के यौगिक खेती में दिए गए योगदान को लेकर सदस्य के रूप में नियुक्ति की गई है। किसानों की तरक्की की नई राह को प्रशस्त करती शिव आमंत्रण की विशेष रिपोर्ट...**

ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग से मिली प्रेरणा

ऊं शांति आर्गेनिक फॉर्मर ग्रुप के अध्यक्ष किसान भगवान इंगोले ने बताया कि मैं पिछले 20 साल से राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कर रहे हैं। ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग से शाश्वत यौगिक-जैविक खेती पद्धति का विधिवत प्रशिक्षण लिया। इसके बाद उन्हें इसका प्रयोग करने की प्रेरणा मिली। बता दें कि ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा खेती में योग का प्रयोग करके खेती की नई पद्धति 'शाश्वत यौगिक-जैविक खेती' विकसित की गई है। इसके तहत किसान भाई संस्थान के मुख्यालय माउंट आबू से इसका निःशुल्क विधिवत प्रशिक्षण लेकर अपने यहां प्रयोग कर सकते हैं। आज संस्थान से देशभर के 11 हजार से अधिक किसान इस पद्धति के माध्यम से खेती कर अच्छा-खासा मुनाफा भी कमा रहे हैं। इसमें मुख्य रूप से योग के माध्यम से खेत में बैठकर या मेडिटेशन रूम में फसल को परमात्मा से शक्ति लेकर शुभ बाइब्रेशन दिए जाते हैं।

कृषि निष्ठ पुरस्कार से नवाजा

किसान भगवान के इस नए प्रयोग और अन्य किसानों के लिए भी प्रोत्साहित करने पर वर्ष 2017 में महाराष्ट्र सरकार के कृषि विभाग की ओर से उन्हें जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए 'कृषि निष्ठ पुरस्कार' से भी नवाजा जा चुका है। इसकी सराहना नांदेड़ जिले के कलेक्टर से लेकर कृषि मंत्री भी कर चुके हैं। हाल ही में किसान भगवान भाई का नाम 'कृषि भूषण सेंद्रीय खेती पुरस्कार-2021' के लिए भी नामांकित किया गया है। यह पुरस्कार जल्द ही उन्हें महाराष्ट्र सरकार की ओर से प्रदान किया जाएगा। संगठन का गठन पारंपरिक कृषि विकास योजना और आत्मा परियोजना के तहत किया गया है।

संगठन से जिले के 34 किसान जुड़े

संगठन के उपाध्यक्ष संदीप डाकुलगे ने बताया कि ऊं शांति आर्गेनिक फॉर्मर ग्रुप से नांदेड़ जिले के अब तक 34 किसान जुड़ चुके हैं। सभी किसान एक से दो एकड़ जमीन में जैविक खेती कर रहे हैं। इस तरह कुल 50 एकड़ जमीन में जैविक खेती हमारा संगठन कर रहा है। इनमें से 12 किसान भाई विशेष रूप से ब्रह्माकुमारीज़ से प्रशिक्षण लेकर शाश्वत यौगिक-जैविक खेती कर रहे हैं। सभी किसान के उत्पादित अनाज, दालें, फल और सब्जी को एकत्रित कर नांदेड़ शहर में अलग से ओम शांति आर्गेनिक फॉर्मर विटोबा बाजार लगाया है, जहां ये सभी उत्पाद बेचे जाते हैं।

संगठन से जुड़े सभी किसान निर्व्यसनी

संगठन के सचिव बालाजी सावंत ने बताया कि हमारे संगठन के सभी सदस्य निर्व्यसनी हैं। साथ ही ज्यादातर किसान नियमित रूप से राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करते हैं। कई बार हम लोग ग्रुप में बैठकर खेतों में योग के माध्यम से शुभ बाइब्रेशन देते हैं। खेतों में काम करने के दौरान मजदूरों को भी किसी भी प्रकार का नशा करने की अनुमति नहीं होती है।

सभी उत्पाद शासन से लैब टेस्टेड

किसान भगवान ने बताया कि हमारे सभी जैविक उत्पाद शासन से लैब टेस्टेड हैं। यही कारण है कि ग्राहक हमसे अनाज, सब्जी खरीदते समय आश्वस्त रहते हैं। हमारे उत्पादों की बाजार में इतनी मांग है कि वह डेढ़ से दोगुने दामों तक में लोग खरीदने के लिए तैयार रहते हैं। सबसे बड़ी बात हमारे उत्पादों का हम लोग खुद दाम तय करते हैं। जैविक खेती में किसानों के लिए यह सबसे बड़ा फायदा है। जैविक तरीके से खेतों में उत्पादित हल्दी की मांग बाजार में सबसे अधिक है। साथ ही गन्ना से जैविक गुड़ भी साधारण गुड़ की अपेक्षा लोग दोगुनी कीमत में लेने के लिए तैयार होते हैं।

खेत पर ही बनाते हैं खाद-कीटनाशक

संगठन के सदस्य किसान भीमराव इंगोले, सत्यनारायण मंत्री ने बताया कि हम लोग खेत पर ही जैविक खाद और कीटनाशक तैयार करते हैं। ये कीटनाशक गोमूत्र, नीम, छाछ आदि से तैयार किया जाता है। साथ ही जैविक खाद बनाने में गोबर, घास, कचरा आदि का उपयोग करते हैं।

किसानों ने बनाई कंपनी, दस डायरेक्टर, 500 सदस्य बने

किसानों ने अपने संगठन की सफलता को देखते हुए अब इसे 'शेतकरी मित्र फॉर्मर प्रोड्यूसर कंपनी' का रूप दे दिया है। इस कंपनी में दस निदेशक और 500 सदस्य इसके शेयर होल्डर्स हैं। कंपनी के माध्यम से किसानों को कृषि उपकरण सरकारी सहायता से उपलब्ध कराए जाते हैं। पिछले साल कंपनी की ओर से 150 टन हल्दी का निर्यात बांग्लादेश किया गया था।

गोमूत्र के प्रोडक्ट भी बना रहे

कंपनी से जुड़े किसान अपने यहां पशुपालन के साथ गोमूत्र के उत्पाद भी तैयार कर रहे हैं। गोमूत्र से बना धूप, अगरबत्ती, सावन आदि की बाजार में अच्छी मांग है। इससे अच्छा-खासा मुनाफा भी हो रहा है।

किसानों की सराहनीय पहल

"ऊं शांति आर्गेनिक फॉर्मर ग्रुप के किसान अन्य किसानों के लिए मिसाल पेश कर रहे हैं। इन किसानों ने जैविक उत्पादों का उत्पादन कर उसे अलग से बाजार बनाकर बेचना बहुत ही सराहनीय कार्य है। अन्य किसानों को भी इनसे सीख लेकर जैविक खेती अपनाना चाहिए। ग्रुप के किसानों को जरूरी सरकारी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं।"

● **डॉ. विपिन विटकर**, कलेक्टर, नांदेड़ (महाराष्ट्र)

कंपनी की कार्यप्रणाली

- किसानों से सीधा माल लेकर ग्राहकों तक पहुंचाना। इस प्रक्रिया में किसानों से कोई कमीशन नहीं लिया जाता है।
- निःशुल्क शिविर लगाकार किसानों को यौगिक-जैविक खेती का प्रशिक्षण भी समय-समय पर दिया जाता है।
- कृषि में उन्नत तकनीक, आविष्कार की भी जानकारी सदस्य किसानों को दी जाती है।
- संगठन के किसान कृषि यंत्रों के लिए लोन ले सकते हैं, इसमें उन्हें दस फीसदी छूट प्रदान की जाती है।

किसानों की सराहनीय पहल

"सभी किसान आर्गेनिक खेती कर अपने उत्पाद खुद बेच रहे हैं। इससे उन्हें अपने उत्पाद का खुद दाम तय करने का अधिकार है। किसानों के लिए कृषि विभाग की ओर से अनुदान भी दिया जा रहा है ताकि अन्य किसान भी जैविक-यौगिक खेती के प्रति आकर्षित हो सकें।"

● **रविशंकर चलोदे**, जिला कृषि अधीक्षक, नांदेड़ (महाराष्ट्र)

शक्तिपुंज

दादी गुलजार (हृदयमोहिनी)
पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

सहन करने में परमात्मा की मिलती है मदद

■ शिव आमंत्रण

आबू रोड ॥ हम दिलशिकस्त न हों कि एक मास हो गया, मैं तो बदली लेकिन दूसरा कोई नहीं बदला, अरे वह नहीं बदला तुम तो बदली। मैं बदली तो मेरे को बाबा शबास देगा। दूसरे नहीं बदले तो मैं दिलशिकस्त नहीं हो जाऊं कि यह बदलने ही नहीं हैं। अगर किसी आत्मा के प्रति ऐसा भी सोचते हैं कि यह तो बदलने ही नहीं हैं, तो जैसे यह उस आत्मा को श्राप दिया। बाबा कहते यह भी पाप है। आपने उसके तकदीर की लकीर खींच ली। क्यों नहीं बदलेंगे, जरूर बदलेंगे। सिर्फ एक होता है सीजन का फल और कोई होता है बारह मास का। जैसे आलू है वह बारह मास होता है और सबमें मिक्स हो जाता है। किसी को और कोई सब्जी अच्छी नहीं लगेगी लेकिन आलू तो अच्छा लगेगा। तो बाबा कहते कि कोई सीजन के फल हैं उन्हों का टाइम आना है, आप भी तो सीजन के फल थे। आप 37 में आए क्या? आपमें भी कोई किस समय आया, कोई किस समय आया, टाइम आया और आप आए, आपकी सीजन आई आप निकल पड़े। तो अभी भी पीछे कोई भी सीजन हो सकती है, हम क्यों यह कहें कि यह बदलना ही नहीं है। हमने देखा है- कई बांधेलियां मार खाने वाली, उनके योग की शक्ति से, शांति की शक्ति से, सहन शक्ति को देख करके वह गाली देने वाले अभी कहते हैं बाबा यह मेरी गुरु है, तो उसकी सीजन आई न! पहले तो जब मार देता होगा तभी तो वह समझेगी, यह तो बदलना ही नहीं है, मारता ही रहता है। मार खाते-खाते 10-15 साल भी हो जाते हैं। लेकिन उसका सीजन आता है तो वह बदल जाता है। इसीलिए बाबा कहते हैं कि किसी के प्रति यह कभी भी नहीं सोचो यह तो बदलेगा ही नहीं। या खुद दिलशिकस्त नहीं हो जाओ कि मैंने योग लगाया, यह बदला ही नहीं है।

कइयों में सहनशक्ति है, सहन करते रहते हैं। लेकिन सहन करना भी दो प्रकार से होता है। एक होता है मजबूरी से सहन करना, एक होता है बाबा की आज्ञा है कि तुमको सहन शक्ति धारण करना है। अगर हम बाबा की आज्ञा मानते हैं तो उसकी खुशी हमारे अंदर आ जाती है। मजबूरी से करते हैं तो अंदर रोते रहेंगे, बाहर से सहन करते रहेंगे। उसका फल नहीं मिलेगा, खुशी नहीं होगी और सचमुच बाबा की श्रीमत समझकर हमने सहन किया तो उसी समय खुशी होती है। भले लोग समझें कि इसकी हार हुई, इसकी जीत हुई है। लेकिन वह हार भी हमको खुशी दिलाती है। क्योंकि परमात्मा के आगे तो ठीक रही। चलो उसने मेरे को समझा कि यह तो ढीली है, यह तो सामना कर ही नहीं सकती है। इसने हारा मैंने जीत लिया। चलो जीत लिया लेकिन परमात्मा के आगे तो मैंने जीता न। आत्मा के आगे हारा, परमात्मा के आगे जीता। आखिर साथ मेरे को परमात्मा देगा या क्रोधी आत्मा देगी! उसमें तो मैं पास हो गई न तो बाबा की आज्ञा समझ करके अगर हम ठीक चलते हैं तो उसका फल जरूर मिलता है। उसी समय हमको खुशी होती है वाह! बाबा ने कितनी शक्ति दी हम जीत गए और उसमें अहम भी नहीं। मैं बहुत होशियार हो गई, नहीं। बाबा ने शक्ति दी, बाबा की देन है, प्रसाद है। प्रसाद को कोई अपना नहीं समझता है। चाहे बनाने वाली वहीं माता हो, उसी ने भोग लगाया हो, लेकिन प्रसाद जब हो गया तो कोई नहीं कहेगा मेरा है। कहेंगे भगवान का प्रसाद है। तो यह जो भी शक्तियां हैं, जो भी गुण हैं वह परमात्मा का प्रसाद मेरे पास है और उस प्रसाद को मैं बांट रहीं हूं। मेरा नहीं है तो मैं-पन भी खत्म। मैं पन ही तो सारा नुकसान करता है।

पहाड़ी पर सभी बाबा की याद में हो जाते थे मग्न

■ शिव आमंत्रण

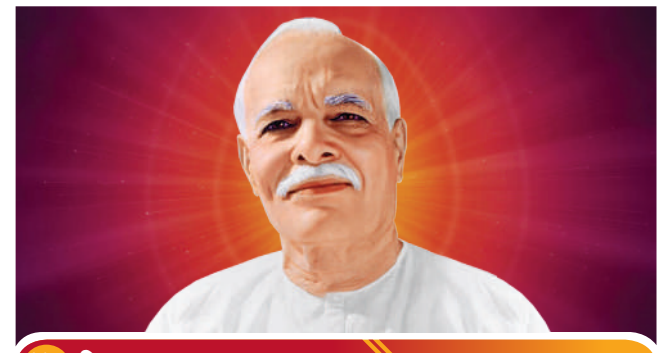

रियल लाइफ

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा
संस्थापक, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

बाबा कहते -'देखो, अब हम बेहद में आ गए हैं। यहां वातावरण कितना स्वच्छ और शांत है। देखो, इस वातावरण में शिव बाबा को याद करने में कितना आनन्द है। सभी बच्चे अन्तर्मुखी होकर बैठो।

आबू रोड ॥ जब इतने सारे सफेद वस्त्रधारी यज्ञ-वत्स पर्वत पर चढ़ रहे होते थे तब वह दृश्य देखते बनता था। मार्ग पर चलते लोग वहां के वहां खड़े एकटक देखते रहते जब तक कि वत्सों का समूह उनकी दृष्टि से ओझल न हो जाता। परन्तु दर्शकों को यह थोड़े मालूम था कि गुप्त वेश में यही 'शिव-शक्तियां' हैं अथवा यही 'राज-ऋषि' हैं। उन्होंने तो सुन रखा था कि शक्तियां तलवार, तीर, कवच आदि से सजी होती थीं और असुरों से युद्ध करती थीं परन्तु ये सच्ची शिव-शक्तियां तो कहती थीं कि-

है कवच हमारा सहज योग,
हम सजीं ज्ञान-तलवारों से,
दिन-रात युद्ध करती रहती,
माया के पांच विकारों से।
अपना यह युद्ध अलौकिक है,
हम तो माया को मार रहे।
वह काम शत्रु, यह क्रोध शत्रु,
सब एक-एक कर हार रहे।
यह मनोजगत का महायुद्ध,
इसमें हिंसा की बात नहीं।
मरजीवा बच्चे ब्रह्मा के,
हम करते कोई घात नहीं।

ब्रह्माकुमारी कुमारिका जी (दादी प्रकाशमणि जी) जोकि इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका थीं, कहती थी, ' बाबा हम वत्सों को जब पहाड़ी पर ले जाते तब बाबा की आयु 70 वर्ष से अधिक होते हुए भी बाबा की रफ्तार सभी से तेज होती थी। पर्वत पर चढ़ने वालों में वृद्ध माताएं भी होती थीं और छोटी आयु के गोप भी। परन्तु बाबा के साथ होने के कारण सभी इतने खुश होते थे और पर्वत पर ऐसे हर्ष से चढ़ते थे कि पता नहीं वहां जाकर उन्हें शायद स्वर्ग की प्राप्ति होगी।

पर्वत पर चढ़कर बाबा और मम्मा सभी वत्सों को ईश्वरीय ज्ञान के रमणीक रहस्यों से बहलाते। वे उन्हें पितृवत्, मातृवत् स्नेह देते और उन्हें योग में बिठाते थे। बाबा कहते -'देखो, अब हम बेहद में आ गए हैं। यहां वातावरण कितना स्वच्छ और शांत है। देखो, इस वातावरण में शिव बाबा को याद करने में कितना आनन्द है। सभी बच्चे अन्तर्मुखी होकर बैठो उस मोस्ट बिलवेड (अत्यंत प्रिय) बाबा की याद में जिसने हम सबको अज्ञान नींद से जगाकर इतना उच्च बनाया है और सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का रहस्य समझाया है।' ऐसे कहते-कहते ब्रह्मा बाबा के नेत्रों से प्रेम का समुद्र एक अनूठी झलक देता था। वे शिव बाबा की मधुर याद में तन्मय हो जाते और सामने बैठे सभी यज्ञ-वत्सों को भी अपनी योग- दृष्टि से योग स्थित कर देते। कुछेक वत्स तो ध्यानावस्था में ही चले जाते थे। उस अवस्था में उन वत्सों के नेत्र बंद होते और वे वहीं ऐसे रास करने लगते जैसे कि किशोर अवस्था वाले श्रीकृष्ण उनके सामने हों और वे वत्स उनकी अंगुली पकड़ कर उनके साथ रास कर रहे हों। रास करते-करते कई बार वे पहाड़ी के आखिरी सिरे पर से भी गुजरते थे। इसलिए कई बार दूसरे वत्सों को ऐसा संकल्प आता कि यह रास करने वाली बहन कहीं पहाड़ी के सिरे से गिर न पड़े परन्तु यह उनका भ्रम था। क्योंकि जो दिव्य दृष्टि के वरदान को पाकर दिव्य मूर्त श्रीकृष्ण से रास कर रही हो तथा जिसे प्रभु का सहारा प्राप्त हो, वह भला नीचे गिर कैसे सकती थीं? वहां एकान्त स्थान पर जहां संसार के लोगों की न आवाज थी, न विकारी लोगों की उपस्थिति, ईश्वरीय ज्ञान का श्रवण, योग अभ्यास अथवा अपने रूहानी पिता से आत्मिक बातें, ऐसी सुखमय लगती थीं कि जिनका वर्णन शब्द नहीं कर सकते। कई बार बाबा को सभी कहते- 'बच्ची, दो या तीन-तीन बहनें मिलकर अलग-अलग पहाड़ी पर जाकर ईश्वरीय स्मृति में बैठो और ज्ञान का मंथन करो। जैसे गाय चारा खाने के बाद जुगाली करती है, वैसे आपने भी जो ज्ञान सुना है, उस पर विचार-सागर मंथन करो। इस प्रकार जब सफेद-वस्त्रधारी ब्रह्माकुमारियां और ब्रह्माकुमार आबू पर्वत की ऊंची-ऊंची चोटी पर चढ़कर बैठे होते तो नीचे से ऐसा मालूम होता था, जैसे सफेद बादल इस पर्वत को ढके हुए हैं।

प्रेरणापुंज

दादी जानकी
पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

■ शिव आमंत्रण

संबंध में रुहानियत और स्नेह हो

जो श्रीमत का दिल से पालन करते हैं, तो मेरा अनुभव कहता है कि बाबा अपनी सकाश बहुत देता है।

आबू रोड ॥ फिर जब सकाश का शब्द मुख से निकलता है तो उस घड़ी का अनुभव न्यारा है। इसके लिए पहले चाहिए त्याग वृत्ति, अन्दर से लगाव मुक्त। अन्दर अपने आपको अच्छी तरह चेक करें कि लगावमुक्त हैं, तब सकाश मिल सकती है। जितना हम हर बन्धनों से मुक्त हैं उतनी सकाश अन्दर से खींच रहे हैं। सकाश में हमको गुण, शक्तियां मिल जाती है। लेकिन वह तब जब हम ब्राह्मण कुल और मर्यादाओं की पालना एक्यूरेट करें।

सेवा में अनाशक्त वृत्ति, सच्ची भावना हो तो सकाश काम करती है। आपस में सम्बन्ध में रूहानियत और सच्चा स्नेह हो तो सकाश मिल सकती है। अन्दर का सूक्ष्म स्नेह बाबा से सकाश खिंचवाता है। जैसे अधिकारी है जरा भी मांगने का संकल्प नहीं है, मिलता है। और सकाश हर प्रकार से सहज काम कर देती है। वह सकाश मन्सा सेवा भी करा देती है। इसमें हमारा शुभ संकल्प हो, मन्सा में शुभ भावना हो तो वह भी सफल होती है। जो हमारा संकल्प है, उसमें बाबा की सकाश सूक्ष्म में भर जाती है। तो सकाश बड़ी सूक्ष्म है और बड़े रसों से भरी पड़ी है। जो अपनी स्थिति एकरस बनाने में इच्छुक हैं, एक से सब सम्बन्ध हैं, बहुतकाल से कमाई जमा की हुई है तो बाबा उसमें सकाश भर देता है। पर्सनल हमारे पुरूषार्थ में सच्चाई हो, धारणा की शक्ति हो तो बाबा उसमें अपनी शक्ति, सकाश भर देता है। वह सकाश काम करती है। जैसे हम कहते हैं कि शेरनी का दूध रखने के लिए सोने का बर्तन चाहिए वैसे ज्ञान को धारण करने के लिए बुद्धि सतोगुणी चाहिए। इसी तरह से श्रीमत का पालन करने के लिए बुद्धि बड़ी स्वच्छ और श्रेष्ठ चाहिए। जरा भी मनमन के प्रभाव में या और कोई मत के प्रभाव में बुद्धि है, तो बुद्धि फ्री नहीं है। पुराने अनेक जन्मों के संस्कारों का भी अपने ऊपर प्रभाव है, प्रेजेन्ट भी अभी थोड़ा बहुत जो भी रहा हुआ है, वह हमको श्रीमत का दिल से पालन करने नहीं देता है। जो श्रीमत का दिल से पालन करते हैं, तो मेरा अनुभव कहता है कि बाबा अपनी सकाश बहुत देता है। बाबा जानता है कि इसके मन में और कोई बात नहीं सारे शरीर के अन्दर दिल तो एक है लेकिन दिल और दिमाग का कनेक्शन आपस में बहुत गहरा है। जो बातें दिमाग में अच्छि तरह से बैठ जाती है दिल चाहती है मैं यहीं करूंगी। जो बात मेरे दिल को अच्छि लगती है तो और मेरा दिमाग और काम नहीं कर सकता है। इसीलिए ही कहा जाता है- सच्ची दिल पर साहेब राजी।

इंग्लिश में भी कहते हेड जो काम करेगा वहीं हार्ट करेगा, वही फिर हेन्ड करेगा।

हमारा हाथ-पांव भी उस तरफ जाता है जहाँ मेरी दिल है। तो जहाँ दिल है, सच्चाई है वहाँ सकाश काम करती है। बाबा की सकाश हमें चला रही है। जैसे बाबा को हमने सदा ही देखा - बाबा जितने प्यारे उतने न्यारे, ऐसे हम भी जब न्यारे-प्यारे बनते हैं तो बाबा की सकाश मिलती है। जरा भी न्यारेपन की कमी है, सम्बन्ध में भी न्यारे, सेवा में भी न्यारे। हर आत्मा का नाम रूप कर्म भी न्यारा है। हरेक का कर्म भी अपना-अपना है। इसमें क्यों, क्या के सम्बन्ध में नहीं जाना है। 84 जन्म, 84 नाम सब न्यारे हैं। जो कल्प पहले हुआ है वहीं हो रहा है वहीं होगा। यह सिर्फ बुद्धि में न रहे स्वरूप में रहे तो मेरा विचार कहता है बाबा की सकाश मिलेगी। जैसा बाबा है उस रूप में बाबा को समाने रखना है जो बाबा ने कहा बाप का चित्र और चरित्र सामने हो, कोई हमारे अन्दर को देखे तो अनुभव करे कि बाबा के चित्र और चरित्र के बिगर इसके अन्दर कुछ नहीं है।

जितना हम आज्ञाकारी वफादार रहते हैं तो बाबा की सकाश के हम अधिकारी है। सूक्ष्म सकाश बहुत मिलती है। वह सकाश हमें अतीन्द्रिय सुख में रखती है। आनंद के झूले में झूलाती है।

जीवन प्रबंधन

बी.के. शिवानी
जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ, अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर और ब्रह्माकुमारीज़ की टीवी ऑइकॉन गुरुग्राम, हरियाणा

खुद की इमोशनल इन्फेशन से बचायें

हम कैसा व्यवहार करते हैं, कैसा बोलते हैं, कैसा सुनते हैं, जितना छोटी- छोटी बातों का ध्यान रखेंगे, मन की स्थिति उतनी ही शक्तिशाली हो जाएगी

सबसे बड़ी खोज है कि मैं कौन हूं। इसके बारे में इतना कुछ लिखा जा चुका है, फिर भी हमारी खोज जारी है।

■ शिव आमंत्रण

आबू रोड । हमारे चारों तरफ जो लोग रहते हैं, रिश्तो में, घर, ऑफिस, पड़ोस, समाज में, उन सभी के अलग-अलग व्यवहार और संस्कार होते है। कोई परेशान है कोई उदास है, कोई स्थिर है, कोई शक्तिशाली है। लेकिन आजकल बहुत लोग अपने मन का ध्यान नहीं रख रहे। जिससे उनके अंदर जटिलताएं पैदा हो रही है। इसका असर उनके व्यवहार और शब्दों में दिखता है। फिर इसका असर रिश्तों में दिखने लगता है। इसके लिए हमें खुद में सकारात्मक बदलाव लाना होगा। हो सकता है कि एक फीसदी परिवर्तन लाना भी मुश्किल लगे, लेकिन यह है बहुत आसान। बस ध्यान ये रखना है कि लोग हमारे साथ कैसा भी व्यवहार करें, वो उनके मन की स्थिति है। यदि हम अपने व्यवहार में एक फीसदी भी सकारात्मक बदलाव लाएं, तो हमारा सोचने का तरीका बदल जाएगा। अगर हम सोच तुरंत नहीं बदल पा रहे हैं तो हम सिर्फ व्यवहार को बदल लेते हैं। बात करने का तरीका बदल लेते है। वे आपसे अलग- अलग तरह से व्यवहार करेंगे, कभी प्यार से बात करेंगे, कभी चिल्ला देंगे, कभी नजरअंदाज करेंगे, कभी आपके बारे में गलत बात फैला देगें। ये उनकी शख्सियत है। उनके अंदर इतना उतार-चढ़ाव आ रहा है। उन्हें अपना ध्यान रखना होगा लेकिन मुझे अपना ध्यान ऐसे रखना है कि मेरे अंदर उनके उतार-चढ़ाव का कोई असर ना हो। उनके मन की जो स्थिति है। उनके वायब्रेशन अपने तक नहीं पहुचने दें। हमें एक फीसदी बदलाव करना है, क्योंकि ये बाईब्रेसन उनके हैं और मैंने ध्यान नहीं रखा तो यह मुझे एक फीसदी नीचे ले आएगा। यानी नकारात्मक बना देगा। उनके व्यवहार के अनुसार हमें अपना व्यवहार नहीं बदलना है। हम हर एक के व्यवहार के हिसाब से खुद को क्यों बदल रहे हैं। क्योंकि हम कहते हैं उन्होंने ऐसा किया तो मैं क्यों उनसे अच्छे से बात करूं। अगर उनका व्यवहार देखकर अपने अंदर बदलाव लाऊं तो मैं एक फीसदी नीचे हो गई। लोगों के व्यवहार से एक फीसदी डाउन होते - होते, 365 दिनों में मैं बहुत डाउन हो जाऊंगी। हम सभी एक शक्तिशाली आत्मा है- शांत, खुश, पवित्र आत्मा। हमें सिर्फ इस इमोशनल इंफेक्शन से बचाना है। तो आज से हम एक छोटी सी चीज शुरू करते हैं। हमारे शब्द, व्यवहार और बहुत जल्दी हमारी सोच भी बिल्कुल समान रहेगी। हमारा व्यवहार उनके व्यवहार से बदलेगा नहीं। जैसे हम उत्पादों के लिए कहते है ना कि उसकी गारंटी है। ऐसे ही अपनी गारंटी ले। हमारा व्यवहार, हमारे शब्द हमेंशा एक फीसदी ऊपर हो जाते रहेगे। बाहर के भावनात्मक संक्रमण का प्रभाव नहीं पड़ेगा। ये छोटी सी बात आपके अंदर महान परिवर्तन लाएगी। आत्मा की शक्ति संभालना है, बचाना और बढ़ाते जाना है।

दूसरा, कभी भी हम लोगों से किसी और के बारे में निगेटिव बात नहीं करेंगे। हमारे पास अपनी ही कमजोरियां बहुत है उसे कम करने के लिए। हमें अपना संक्रमण ठीक करना है। लेकिन हम दूसरों की कमजोरी के बारे में सोचते रहते हैं। फिर दूसरों को सुनाते हैं। फिर दूसरों से सुनते हैं। दूसरे की कमजोरी के बारे में सोचना, बोलना और सुनना हमारी स्थिति को नीचे लाता है। मुझे किसी की कमजोरी, किसी की आदत, किसी के गलत संस्कारों की चर्चा नहीं करनी है। मुझे वातावरण को दूषित नहीं करना है। उत्पादों के लिए कहते हैं इसकी गारंटी है। ऐसे ही अपनी गारंटी लें। हमारा व्यवहार, हमारे शब्द हमेंशा एक फीसदी ऊपर ही जाते रहेंगे। बस छोटी - छोटी दो बाते याद रख लेते हैं। एक हम किसी के भी व्यवहार से अपने व्यवहार को नहीं बदलेंगे।

दूसरा, हम किसी की भी कमजोरी को न ही सुनेगे और न सुनाएंगे। आजकल हम सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पर्सनल चैट में बहुत कुछ लिखते रहते हैं। लोगों के बारे में कमेंट्स करते रहते हैं। अच्छा है लिखना चाहिए, लेकिन कैसा लिखना चाहिए। उन्हें दुआएं दीजिए, फीडबैक भी देना है तो भाषा शुद्ध और पॉजीटिव होनी चाहिए। हमारा हर शब्द जो हम बोल रहे है, जो लिख रहे है हमारी ऊर्जा को ऊपर लेकर जाएगा या नीचे।

हम कैसा व्यवहार करते हैं, कैसा बोलते हैं, कैसा सुनते है और लोगों के बारे में क्या लिख रहे हैं। जितना हम छोटी- छोटी बातों का ध्यान रखेंगे, हमारी मन की स्थिति उतनी ही शक्तिशाली हो जायेगी। फिर जीवन में हम बहुत शांत व स्थिर रहेगें। अगर हमने इन बातो का ध्यान रख लिया तो यह समय अच्छा हो जाएगा। सिर्फ हमारे लिए नहीं, बल्कि हमारे आसपास सभी के लिए।

अलविदा डायबिटीज

बीके डॉ. श्रीमंत कुमार
ग्लोबल हॉस्पिटल, माउंट आबू

व्यायाम के प्रकार

■ शिव आमंत्रण

आबू रोड । आज अनेक प्रकार के व्यायाम प्रचलित है। इसलिए एक साधारण व्यक्ति मुंझ ही जाता है कि मैं कौन सा व्यायाम करूं या कौन सा नहीं करूं। किसी प्रकार का व्यायाम क्यों न हो, स्वास्थ्य के लिए निश्चित रूप से लाभदायक तो है ही, परंतु व्यक्ति अपना नंबर शारीरिक वजन या बीमारी और उनसे जनित विभिन्न विभिन्न अंगों में दुष्प्रभाव को ध्यान में रखते हुए व्यायाम करना उचित है। इसलिए चले पहले हम चर्चा करेंगे कि वास्तव में व्यायाम कितने प्रकार के होते हैं। और फिर बाद में देखेगें कि डायबिटीज बीमारी अगर है तो हमें कौन सा व्यायाम करना चाहिए। आज जितने भी प्रकार के व्यायाम (Exercise) प्रचलित हैं। उन सभी को हम निम्न 4 प्रकार के व्यायाम (Exercise) में रख सकते हैं।

1) एरोबिक (Aerobic) व्यायाम (Exercise)
2) एनएरोबिक (Anaerobic) व्यायाम
3) आसन (Aasanas)
4) प्राणायाम (Breathing Exercise)

1) एरोबिक (Aerobic)

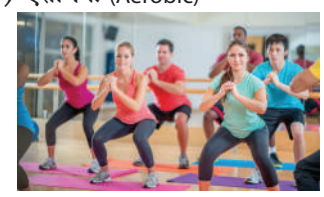

इसे Cardio Respiratory व्यायाम भी कहा जाता है इस व्यायाम को करने के लिए ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है इसलिए एरोबिक कहा जाता है। इसमें हमारा हर्ट तथा रेसिपीरेटरी सिस्टम को सबसे ज्यादा फायदा होता है।

उदाहरण- चलना दौड़ना जोगिंग करना साइकिल चलाना स्केटिंग करना स्विमिंग करना या तैरना अंतरण आदि आदि।

2) एनएरोबिक (Anaerobic) **व्यायाम**

इसे हम स्ट्रेचिंग और रेसिस्टेंट व्यायाम भी कहते हैं इसमें शरीर के बड़े मांसपेशियां काम करती है। थोड़े समय के लिए इसलिए ऑक्सीजन की आवश्यकता नहीं रहती इसलिए इसे एनएरोबिक एक्सरसाइज कहा जाता है इसमें शरीर की मांसपेशियां मजबूत बन जाती है।

उदाहरण- जिमखाना में जाकर वह घर में भी वजन के साथ व्यायाम करना जैसे कि डोंबल बरबेल आदि रेसिस्टेंट बैंड भी कई इस्तेमाल करते हैं।

3) आसन (Aasanas)

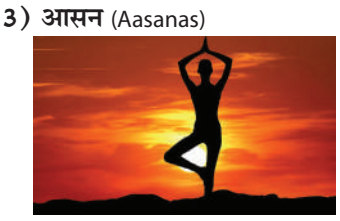

इसे हम फ्लेक्सविलिटी या पोस्चर व्यायाम एक्सरसाइज भी कह सकते हैं। इसमें शरीर बिल्कुल लचीला बन जाता है परंतु लोग इस प्रकार का व्यायाम को योगा कहते हैं। योग वास्तव में एक मानसिक प्रक्रिया है इसमें शरीर का इतना योगदान नहीं रहता आजकल लोग वज्रासन हलासन सिरसासन तो कहते हैं परंतु इसे योग समझते रहते हैं। परंतु यह सारे व्यायाम में योग है ही नहीं इसलिए इन्हें बज्र योगा हाला योगा या शीर्षा योगा नहीं कहता।

4) प्राणायाम
(Breathing Exercise)

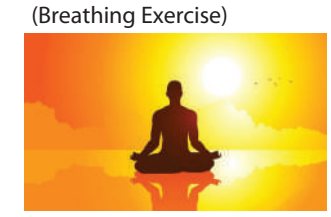

इसमें हमारा रेस्पिरेट्री सिस्टम ज्यादा से ज्यादा प्रयोग में भाग लेता है।

उदाहरण- अनुलोम विलोम कपालभाति भस्त्रिका इत्यादि।

संपर्क: बीके जगतजीत मो. 9413464808 पेशेंट रिलेशन ऑफिसर, ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, माउंट आबू, जिला- सिरोही, राजस्थान

माइंड पॉवर ऑफ YOUTH

राजयोग मेडिटेशन, मूल्य शिक्षा को जीवन में अपनाकर आज हजारों युवाओं के जीवन को नई दिशा मिली है...

सौम्या अधिकारी,
स्टूडेंड, गाजीपुर, यूपी

परमात्मा का मार्गदर्शन सही और सटीक होता है

गाजीपुर (उप्र) । मेरे तो परिवार के सभी लोग इस ज्ञान मार्ग से जुड़े हैं। मैं भी बचपन से ही आ गई। एक चीज सत्य है कि परमात्मा का मार्गदर्शन मनुष्य के जीवन के लिए सबसे उपयुक्त और बेहतरीन है। यदि आप सच्चे दिल से उसे सब बात बताओ तो वह सबकुछ सुनता है, रिस्पांस करता है। जब मनुष्य को सही गाइडेंस की जरूरत होती है तो बहुत ही सुन्दर तरीके से उसे रास्ता बताता है। स्कूल के विद्यार्थियों के लिए भी यह जीवन बहुत ही उपयोगी है। यदि मन में किसी भी प्रकार का अवगुण ना आए तो उसके लिए राजयोग ध्यान वाली लाइफ सबसे अच्छी है। आज खासकर युवाओं के लिए राजयोग ध्यान की बहुत ही जरूरत है।

संजीव कुमार
सीतामढ़ी, बिहार

राजयोग ने किया जीवन परिवर्तन

सीतामढ़ी/बिहार । जनवरी 2016 में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के संपर्क में आया। यहां मुझ राजयोग अभ्यास से जुड़ा। कई वर्षो से ईश्वरीय खोज में दर-दर भटक रहा था। पहले कई धार्मिक संस्थान से जुड़ा लेकिन संतुष्टि नहीं मिली।

अचानक एक मेरा दोस्त ने मेडिटेशन सीखने के लिए प्रेरित किया। 2016 में ही मेरे साथ भयंकर मोटर साईकिल दुर्घटना घटी लेकिन जहां स्वयं परमात्मा ने मेरी रक्षा की। मैंने महसूस किया कि वे हमें गोद में उठाकर आराम से धरती पर रख दिया। साकारात्मक रहकर स्वस्थ्य हुआ। जिससे समाज में भी मधुर संबंध रहने लगे। पहले कि अपेक्षा यादाश्त भी अच्छा रहने लगा। समय आनंद से बीतने लगा।

संपादकीय

तेजी से बदलता समय का चक्र

समय परिवर्तन सृष्टि का नियम है। लेकिन जब बदलाव तेजी से और अप्रत्याशित हो तो उस पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। बात मैं एक अप्रत्याशित घटना का कर रहा हूँ। क्योंकि यह घटना सृष्टि कॉल में सिर्फ एक बार ही घटती है। ईश्वरीय विधि विधान का अपना तरीका होता है। लेकिन बहुत कुछ संकेत पहले से ही देने लगता है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान में परमात्मा शिव के अवतरण का सिलसिला 1937 से प्रारंभ हुआ। इसके जरिया बने थे प्रजापिता ब्रह्मा बाबा। वे चले गये उनका उत्तराधिकारी बनी थीं ब्रह्माकुमारीज संस्थान की राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी जिनके तन का आधार लेकर स्वयं सर्व शक्तिमान परमात्मा ने सृष्टि बदलाव की प्रक्रिया कराते रहे। पिछले 11 मार्च को भी दादी के भौतिक शरीर का इंतकाल हो गया। एक तरह से आत्मा-परमात्मा मिलन के साकार माध्यम का अंत हो गया। यह अन्त होना अर्थात सृष्टि चक्र के बदलाव की घड़ियों का तेजी से बीतने का प्रबल संकेत है। तमाम प्राकृतिक, मानवीय, भौगोलिक और संस्कारिक घटनाओं का इशारा भी इसी तरफ कर रहा है। क्योंकि यह सब अपने सबसे अति की तरफ बढ़ चला है।

बोध कथा | जीवन की सीख

चुप रहने का महत्व

एक राजा के घर एक राजकुमार ने जन्म लिया। राजकुमार स्वभाव से कम बोलते थे। जब वह युवा हुए तो बचपन की अपनी उसी आदत के मुताबिक मौन ही रहता था। राजा अपने राजकुमार की चुप्पी से परेशान रहते थे कि आखिर ये बोलता क्यों नहीं है। राजा ने कई ज्योतिषियों, साधु-महात्माओं एवं चिकित्सकों को उन्हें दिखाया परन्तु कोई हल नहीं निकला। संतों ने कहा कि ऐसा लगता कि पिछले जन्म में ये राजकुमार कोई साधु थे, जिससे इनके संस्कार इस जन्म में भी साधुओं के मौन व्रत जैसे हैं। राजा ऐसी बातों से संतुष्ट नहीं हुए। एक दिन राजकुमार को राजा के मंत्री बगीचे में टहला रहे थे। उसी समय एक कौवा पेड़ की डाल पर बैठ कर काव- काव करने लगा। मंत्री ने सोचा कि कौवे की आवाज से राजकुमार परेशान होंगे इसलिए मंत्री ने कौवे को गोली मार दी। गोली लगते ही कौवा जमीन पर गिर गया। तब राजकुमार कौवे के पास जा कर बोले कि यदि तुम नहीं बोले होते तो नहीं मारे जाते। इतना सुनकर मंत्री बड़ा खुश हुआ कि राजकुमार आज बोले हैं और तत्काल ही राजा के पास ये खबर पहुंचा दी। राजा भी बहुत खुश हुआ और मंत्री को खूब ढेर-सारा उपहार दिया। कई दिन बीत जाने के बाद भी राजकुमार चुप ही रहते थे। राजा को मंत्री की बात पर संदेह हो गया और गुस्सा कर राजा ने मंत्री को फांसी पर लटकाने का आदेश दिया। इतना सुनकर मंत्री दौड़ते हुए राजकुमार के पास आया और कहा कि उस दिन तो आप बोले थे परन्तु अब नहीं बोलते हैं। मैं तो कुछ देर में राजा के आदेश से फांसी पर लटका दिया जाऊंगा। मंत्री की बात सुनकर राजकुमार बोले कि यदि तुम भी नहीं बोले होते तो आज तुहें भी फांसी का आदेश नहीं होता। बोलना ही बंधन है। जब भी बोलो उचित और सत्य बोलो अन्यथा मौन रहो। मौन एक साधना है, तप है। वर्तमान परिस्थितियों में हम देखें तो जीवन की कई सारी समस्याओं को समाधान हम मौन रहकर निकाल सकते हैं। कई बार तो समस्या हमारे ज्यादा या कटु बोलने के कारण ही उत्पन्न हो जाती है।

संदेश: जीवन की कई सारी समस्याओं को समाधान हम मौन रहकर निकाल सकते हैं।

पवित्र आत्मा का शुद्ध उपयोग श्रद्धा से जब सत्य अनादि स्वरुप निज के द्वारा व्यावहारिक जीवन का बोध बनता है।

जीवन का मनोविज्ञान भाग - 32

डॉ. अजय शुक्ला
बिहेवियर साईंटिस्ट, गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्पीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

आत्मज्ञान के समर्पित स्वरूप में संपन्नता और संपूर्णता

शिव आमंत्रण, आबू रोड । जीवन दर्शन की विराटता का परिवेश आत्मज्ञान से परमसत्ता के प्रति समर्पण का व्यावहारिक स्वरुप होता है जिसमें आत्मिक सपन्नता के साथ सपूर्णता भी परिलक्षित होती है। मानव द्वारा आत्म कल्याण की स्मृति से स्वयं को उपराम स्थिति में रखना आत्मिकन्यारापन का प्रमाण है जो साक्षी दृष्टा की सहज अनुभूति हेतु महत्वपूर्ण आधार होता है। व्यावहारिक कर्मजगत में श्रेष्ठ, शुभ एवं पवित्र व्यवहार के क्रियान्वयन द्वारा जुड़े हुए संबंध से भी उपराम होने की क्रियाविधि का अनुपालन जीवन मुक्ति की ओर व्यक्तिगत रूप से गतिशील करने में सहायक है। आत्मिक स्थिति का बोध मानव को कर्ता के निमित्त भाव से जब मुक्त करा देता है तब त्याग का भी त्याग सहजता से साक्षी दृष्टा की उच्चता का पर्याय बन जाता है। चेतना की वैभव सपन्नता का प्रतिपादन मानव जीवन की सपूर्णता का परिचायक है जो उसे निजता की उपराम स्थिति से प्राप्त होता है तथा साक्षीपन के प्रयोग से युग दृष्टा में परिवर्तित हो जाता है।

कर्मातीत अवस्था द्वारा साधन -साध्य की पवित्रता

आत्मज्ञान से उत्पन्न वैराग्य जहां आत्मिक स्थिति को पूर्णतया उपराम बनाने में सहायक होता है वहीं साक्षी दृष्टा की अनुभूति का पवित्र परिणाम कर्मातीत अवस्था की प्राप्ति होती है। व्यक्तिगत जीवन का परिदृश्य आत्मिक शक्तियों की विवेचना में-मन को व्यवस्थापिका, वचन को कार्यपालिका तथा कर्म को न्यायपालिका के आधार से गतिशील होने के लिए साधन एवं साध्य की शुचिता को सदा बनाए रखता है। मानव की चिंतनशील प्रवृति उसे सत्य-शोधन में स्वाध्याय की ओर अग्रसर करती है जिसमें कर्मगत सबन्धकेजुड़े मनोभाव से आत्मा को मुक्त करने का शुद्ध उपयोग समिलित रहता है। व्यवहार के मौलिक मानदंड व्यक्ति को केवल वास्तविकता के धरातल पर रहकर नैसर्गिक आचरण हेतु अभिप्रेरित करते हैं जो कर्मातीत अवस्था की व्यावहारिकता में विशिष्ट रूप से मददगार बनता है। जीवन से जुड़ाव का यथार्थ अंतः करण की चेतना के प्रति ईमानदारी से युक्त कार्य व्यवहार को संप्रेषित करता है जिससे साधन और साध्य की पवित्रता सदैव अक्षुण्य बनी रहती है।

अव्यक्त स्वरुप में आत्मिक समर्पणता का स्थायित्व

मानव जीवन में आध्यात्मिक पुरुषार्थ द्वारा अव्यक्त स्वरुप की प्राप्ति हेतु आत्मिक समर्पण का स्थायित्व आवश्यक है जो मन, बुद्धि एवं संस्कार के समर्पित भाव से सुनिश्चित होता है। ईश्वरीय सत्ता की गहन स्वीकारोक्तिआत्म समर्पण का सर्वाधिक प्रबल पक्ष है जिससे अव्यक्त स्वरुप की आत्मिक अनुभूति जीवन दर्शन के केन्द्रीय भाव में स्थित होकर आत्म आनंद का आधार बनती है। जीवन में धर्म-कर्म के अनुपालन द्वारा उपराम स्थिति से साक्षी दृष्टा की उच्चता में आत्म कल्याण संभव है जो अध्यात्म- पुरुषार्थ से कर्मातीत अवस्था का आधार है जिसकी परिणिति साधन और साध्य की पवित्रता द्वारा परिलक्षित होती है। राजयोग- मौन की साधना से अव्यक्त स्वरुप में आत्मिक समर्पणता का स्थायी बोध आत्म तत्व की सपन्नता एवं सपूर्णता को जीवन की आत्मिक जागृति द्वाराअभिव्यक्त कर देता है। आत्म चिंतन द्वारा महानता की उपराम स्थिति का निर्माण जीवन को कर्मातीत अवस्था से अव्यक्त स्वरुप में परिवर्तित करता है जो आत्मिक समर्पणता का जीवंत प्रमाण होता है।

स्वयं के अस्तित्व की स्मृति आत्म तत्व के प्रति आंतरिक स्वमान का सुखद परिणाम है जिसमें आत्मिक ज्ञान सपन्नता से हृदय की भावनात्मक निर्मलता एवं मस्तिष्क का वैचारिक धरातल स्पष्टता से सुज्ञित रहता है। जीवन का व्यावहारिक स्वरुप, आत्म वैभव की स्थितियों में वास्तविक गतिशीलता को साधना द्वारा चेतना के मूलभूत गुणों एवं शक्तियों को उपलब्धि के साथ स्वीकार करता है। निज ज्ञान की गरिमा सदा व्यक्तित्व, कृतित्व एवं अस्तित्व का समायोजन आत्मिक सन्दर्भ और प्रसंग से अभिभूत होकर व्यक्त करती है जिसमें आत्म स्वमान का बोध विद्यमान रहता है। मानव अपने जीवन काल में स्व-दर्शन की क्रिया से जब गुजरता है तो कई जन्म के पुण्य उदित होने का परिणाम आत्मिक आनंद का कारक बनता है। आत्म ज्ञान का नैसर्गिक बोध जब भरपूरता के साथ होता है तब जीवन की दुर्लभता का अनुभव आत्मिक सपन्नता द्वारा निरंतरता के सानिध्य से पोषित होता रहता है।

मानव की चिंतनशील प्रवृति उसे सत्य - शोधन में स्वाध्याय की ओर अग्रसर करती है जिसमें कर्मगत सबन्ध के जुड़े मनोभाव से आत्मा को मुक्त करने का शुद्ध उपयोग समिलित रहता है ।

अपने विषय में कुछ कहना पड़े तो बहुत कठिन हो जाता है क्योंकि अपने दोष देखना आपको अप्रिय लगता है और उनको अनदेखा करना औरों को।

महादेवी वर्मा
लेखिका

प्रेरक विचार Spiritual THOUGHTS

सत्य के प्रति अडिगता, अपनी भूल की सहज स्वीकृति, लक्ष्य के प्रति निष्ठा और नैतिक आदर्शो के प्रति आदर भाव जीवन के सच्चे सिद्धांत हैं।

गोपालकृष्ण गोखले
स्वतंत्रता संग्राम सेनानी

मेरी कलम से

बीके सुभाष,
ज्ञान सरोवर आबू पर्वत
■ शिव आमंत्रण

महान आत्मा के सानिध्य के स्मरण से ही हृदय प्रसन्न हो जाता है।

मैं ब्रह्माकुमारीज़ की विचारधारा से काफी समय से अवगत हूं। आप उनके बताए सभी विचारों को जीवन में अपनाकर खुद को सुखी बनाकर समाज को सुखी बनाने में मददगार साबित हो सकते हैं।

आबू रोड । सन 2016 गुलज़ार दादी जी ज्ञानसरोवर आकर जब भी ठहरती थीं, भोजन परोसने का सौभाग्य हमें प्राप्त होता था। बढ़ती उम्र के कारण दादी जी दिन-प्रतिदिन अस्वस्थ होती जा रही थीं।

दादी जी भोजन में मात्र एक ही रोटी खाने लगी थीं, नीलू बहन बहुत प्रयास करती थीं कि दादीजी भोजन ठीक से ग्रहण करें जिससे दादीजी के शरीर में शक्ति का संचार हो। नीलू बहन व तारा बहन इस हेतु विभिन्न प्रयास भी करती थीं।

जैसे एक माँ अपने बच्चों को इधर उधर की बातों में बहलाकर अपने हाथों से भोजन खिलाती है, बिलकुल वैसे ही।

उदाहरणार्थ... नीलू बहन जब पूछतीं... दादी यह कौन है? दादी कहतीं..यह भोजन परोसने वाला है। हम लोग टी.वी.में जानवरों का चैनल

लगाकर प्रश्न पूछते....दादीजी यह शेर है क्या? दादीजी कहतीं... नहीं यह तो चीता है...बस ऐसे ही अवसर का लाभ उठा कर नीलू बहन एक के बदले दो रोटी खिला देतीं थीं। दादी जी भाँप नहीं पातीं और कहती थीं... पता नहीं आज रोटी समाप्त क्यों नहीं हो रही है? इस प्रकार से हम लोग खेल-खेल में हंसते-खेलते दादीजी को पर्याप्त भोजन करा देते थे। दादीजी का वो बच्चों सा सरल स्वभाव हमें बहुत भाता था। ऐसा अनुभव होता था जैसे दादीजी के माध्यम से बाबा की सेवा कर रहे हैं और अन्त दादीजी भी हमें प्रसाद के रूप में कुछ ना कुछ खिला देती थी। महान आत्मा के सानिध्य के स्मरण से ही हृदय प्रसन्न हो जाता है।

पिछले अंक से क्रमशः

समस्या समाधान

ब्र.कु. सूरज भाई
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक

सेकंड में फुलस्टॉप लगाने वालों के पास ही अत्यधिक साइलेंस पॉवर होती है और यह साइलेंस पावर आगे चलकर बहुत काम आएगी।

■ शिव आमंत्रण

योग की शक्ति हमारे विचारों में है अपना भाग्य बदलने की शक्ति, जैसे विचार, वैसा जीवन

सेकेंड में फुलस्टॉप का अभ्यास

आबू रोड । मन को कंट्रोल करना हमारी एक बहुत ही श्रेष्ठ स्थिति है। संसार में पहले हम सुनते थे की जो मनुष्य अपने मन को कंट्रोल कर लेता है, वह तो हवा को भी रोकने में समर्थ हो जाता है। बाबा ने भी कहा है - हम सेकंड में फुलस्टॉप लगाने की कोशिश करें तो अंत में हम कर्मातीत हो जाएंगे। हम इसकी निरंतर प्रैक्टिस करें -मैं स्वराज्य अधिकारी हूँ, मास्टर सर्व शक्तिवान हूँ, इस स्वमान की सीट पर बैठ जाएं और यह गुड फिलिंग करें की मैं मन की मालिक हूँ तो मन हमारे आदेश का पालन करने लगेगा। आखिर इस मन को हमें ठीक दिशा में तो लाना ही है। तो हम प्रैक्टिस करते रहे की इसकी रूचि व्यर्थ की ओर ना हो। व्यर्थ में मन बहुत भागता है, बहुत भटकता है। व्यर्थ में रूचि, व्यर्थ सोचने की आदत, इधर उधर की तृष्णाएं और इच्छाएं, देहधारियों के प्रति लगाव, संसार से बहुत कुछ पाना, मनुष्यों से बहुत कुछ कामनाएं- विषय वासनाएं, यह सब मनुष्य के मन को भटकाती है और ज्यादा भटकाया भी है - विषय वासनाओं ने, काम ने, क्रोध ने, अहंकार ने, लोभ ने, मोह ने, ईर्षा- द्वेष ने, बदले की भावना ने। जितना - जितना हम इनको छोड़ते चलेंगे, यह मन स्वतः ही धीमी गति से चलेगा। दूसरी प्रैक्टिस करें, नेगेटिव को पॉजिटिव में बदलने की। कोई ऐसी चिंता वाली बात हमारे सामने आ जाती है तो मनुष्य बहुत नेगेटिव सोचने लगता है। पता नहीं क्या होगा? कहीं यह ना हो जाएँ, वह ना हो जाएँ। लेकिन हम सदा यही सोचें- स्वयं भगवान मेरे साथ है, मेरा श्रेष्ठ भाग्य भी मेरे साथ है, मेरे पुण्य कर्म भी मेरे साथ है और मै स्वयं भी बहुत

महान हूँ, तो मेरे साथ तो सब कुछ अच्छा ही होगा। ऐसे संकल्पो से अपने नेगेटिव को पॉजिटिव में बदलते चलें और हमारी मन की स्पीड धीमी होती चलें। जितनी संकल्पो की स्पीड हमारी सतयुग में थी, 8 10 थॉट्स पर मिनट्स, वैसी ही स्पीड अगर नेचुरल रूप से हमारी रहने लगें तो सेकंड में फुलस्टॉप लगाना अति सरल हो जाएगा। यह स्पीड को डाउन करने के लिए हमें तीन चार प्रैक्टिस करनी पड़ेगी। पहली प्रैक्टिस है स्वमान की दूसरी प्रैक्टिस है अशरीरी होने की तीसरी प्रैक्टिस है आत्मिक दृष्टि की और चौथी प्रैक्टिस है हम एक श्रेष्ठ महान लक्ष्य को जीवन में साथ लेकर चलें। एक विशेष पुरुषार्थ में सदा लगें रहे। तो नेगेटिव संकल्प स्वतः ही समाप्त होते रहेंगे। - स्वमान की कोई ना कोई प्रैक्टिस प्रति दिन, प्रति समय चलती ही रहे। आप देखेंगे जब आत्मिक दृष्टि का अभ्यास होगा, तो अनेक व्यर्थ संकल्प स्वतः ही बंद रहेंगे। जैसे - जैसे बीच - बीच में हमें अशरीरी होने का अभ्यास करेंगे मैं आत्मा अलग यह देह बिलकुल अलग, वैसे - वैसे संकल्पों की स्पीड डाउन होती चली जाएगी। हम यह निरंतर साधना करें क्यूंकि मन को साथ लेना यह बिना साधनाओ के संभव नहीं होगा और मन को साधे बिना हम सेकंड फुलस्टॉप नहीं लगा सकेंगे। सेकंड में फुलस्टॉप लगाने वालों के पास ही अत्यधिक साइलेंस पॉवर होती है और यह साइलेंस पावर आगे चलकर बहुत काम आएगी। अभी तो समय आ रहा है महाकाल का। जिन्होंने बहुत अच्छी साधना की है, जो स्वराज्य अधिकारी बने है, उन्हें पता चलेगा, उनके पास कितनी शक्तियां है। जब प्रकृति भी उनका आदेश मानेंगी, जब उन्हें ऐसा लगेगा की विनाश की घटनाओं को भी वह अपनी इच्छाओं के अनुसार दिशा दे सकते है। हम मन की स्पीड को स्लो डाउन करें और एक सेकंड में फुलस्टॉप लगाकर परमधाम में बाबा के साथ स्थित हो जाया करें। तो आज सारा दिन यह अभ्यास करेंगे - मैं मास्टर सर्व शक्तिवान हूँ स्वराज्य अधिकारी हूँ।

धर्म-ग्रंथों से मानव आत्मा सतयुग में देवी-देवता होते हैं

सतयुग में होती हैं पवित्र आत्माएं

स्व-प्रबंधन

बीके ऊषा
स्व-प्रबंधन विशेषज्ञ, माउंट आबू

■ शिव आमंत्रण

श्रीकृष्ण जैसी परम पावन आत्मा के आठों जन्म इतने श्रेष्ठ थे कि उनके आठों जन्म की जयंती मनाकर हर भारतवासी गर्व महसूस करते हैं।

आबू रोड । यह भारत श्रेष्ठाचारी से भ्रष्टाचारी कैसे कैसे बनता है या पावन भारत पतित कैसे बन जाता है या पूज्य देवी-देवताएं पुजारी मनुष्य कैसे बन जाता है, इस बात को एक अद्भुत सीढ़ी के माध्यम से दर्शाया है। सीढ़ियां तो आपने अनेक देखी होंगी लेकिन यहां हम आपका परिचय एक विचित्र सीढ़ी से कराएंगे, जिसका संबंध मनुष्यों के कर्म से है।

सीढ़ी का पहला चरण-सतयुग

सीढ़ी की इस प्रथम पायदान को संसार का आदि काल कहा जाता है जहाँ से कल्प का आरम्भ होता है जहाँ प्रकृति एकदम सतोप्रधान अवस्था में है मानो परमधाम से पवित्र आत्माओं का आह्वान कर रही होती है। ब्रह्मा के दिन का प्रारंभ होता है और पवित्र आत्माएं अपने अव्यक्त स्थिति से व्यक्त दिव्य स्वरूप को धारण करती हैं। इस तरह दैवी संस्कृति का प्रारम्भ होता है, जहां दिव्य आत्माएं सतोप्रधान प्रकृति के सुन्दर आत्माएं सतोप्रधान प्रकृति के सुन्दर शरीर रूपी वस्त्र को धारण करती हैं और पावन दैवी मर्यादा युक्त जीवन जीती है। उनकी महिमा का गायन इस प्रकार है कि वे 16 कला सम्पन्न, सम्पूर्ण निर्विकारी, संपूर्ण- अहिंसक, दैवीगुण सम्पन्न थे चूंकि वे देवी-देवताएं पावन थे और श्रेष्ठ कर्म करते थे इसलिए प्रकृति भी उनके वश में थी अर्थात् तब न कोई प्राकृतिक प्रकोप होते थे और न उन्हें तन का रोग था, न ही अन्न-धन की कमी होती थी और न ही कभी अकाले मृत्यु होती थी। इसलिए देवताओं को अमर कहते है, ऐसे नहीं कि वहां कोई मरते ही नहीं थे परन्तु मृत्यु का भय नहीं होता था। वे पुरी आयु भोग कर जब उन्हें महसूस होता है कि अब बहुत साल इस चोले में हो गए अब नया वस्त्र धारण करना चाहिए तो वे अपने पूरे परिवार को बुलाते और प्यार से सबसे विदा लेते हैं और बड़ी धूमधाम से उस आत्मा को खुशी-खुशी विदाई देते हैं। कहने का भाव यह है कि वहां मृत्यु भी एक महोत्सव हो जाता है इसलिए उन्हें अमर कहा जाता है। इस प्रकार स्वाभाविक रीति से श्रेष्ठ धर्म-निष्ठ, श्रेष्ठ कर्म-निष्ठ सतोप्रधान तथा निर्विकारी होने के कारण 1250 वर्ष में उनकी आयु लगभग 150 साल की और सिर्फ 8 जन्म होते हैं। इस युग में श्री लक्ष्मी और श्री नारायण का राज्य था। परन्तु ये नाम और स्वरूप तो तब मिलता है जब वे राजगदी पर विराजमान होते हैं लेकिन उनके बचपन के स्वरूप के विषय में भक्तिकाल में एक भजन गाते है जिसकी पंक्तियां हैं:-

'श्रीकृष्ण-गोविंद, हरे मुरारी, हे नाथ नारायण नमः वासुदेव।'

इन पंक्तियों में श्रीकृष्ण के पूरे जीवन के विभिन्न स्वरूप की महिमा की गई है। बचपन में जिसको 'श्रीकृष्ण' कहा, थोड़ा बड़ा हुआ तो ग्वाला बना जिसको 'गोविंद' कहा, जब रासलीला रचाई तो उनको 'हरे मुरारी' कहा और जब राजगद्दी पर राज करने बैठते हैं तो उन्हें 'नाथ नारायण' कहा और वही वासुदेव हैं। भावार्थ श्रीकृष्ण ही नाथ नारायण हैं अगर श्रीनारायण सतयुग में हो तो उसका बचपन का स्वरूप भी वही होना चाहिए। श्रीकृष्ण या नारायण के सतयुग के 1250 वर्ष में 8 जन्म होते हैं इसलिए श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव, जन्म-अष्टमी के रूप में बड़ी धूमधाम से मनाते हैं, क्योंकि श्रीकृष्ण। **क्रमशः...**

अंतर्मन हमारा हर दिन, हर क्षण नया हो, उमंग हो

योगाभ्यास के लिए एकाग्रता जरूरी

आध्यात्मिक उड़ान

डॉ. सचिन
मेडिटेशन एक्सपर्ट

■ शिव आमंत्रण

यदि हमारी मानसिक भूमि में योग समावेश हो तो मन का एकाग्र होना कठिन नहीं होता।

आबू रोड । हरेक मनुष्य चाहता तो है कि योग द्वारा वह भी अपने जीवन में परम शान्ति एवं आनन्द की अनुभूति करे तथा आत्मा और परमात्मा के मिलन का जो अवर्णनीय सुख है, उसमें रमण करे परन्तु जब योगाभ्यास में उसका मन एकाग्र नहीं हो पाता तो वह निराश होकर योगाभ्यास को छोड़ देता है। निस्संदेह एकाग्रता योगाभ्यास का एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंग है परन्तु हमें मालूम होना चाहिए कि मन को एकाग्रता की अवस्था में स्थित करने वाले कई सहायक तत्व होते हैं। यदि हमारी मानसिक भूमि में उनका समावेश हो तो मन का एकाग्र होना कठिन नहीं होता। प्रस्तुत लेख में हम उन तत्वों का संक्षिप्त उल्लेख करेंगे जो सहज ही मन को किसी विचार या विषय पर स्थिर कर देते हैं।

महानता, विचित्रता अथवा चमत्कार सभी जानते हैं कि संसार में कोई भी अद्भुत व्यक्ति, विचित्र वस्तु या अनोखा वृत्तान्त हो तो उसकी ओर मनुष्य का मन स्वतः आकर्षित होता है और उसे देखने में उसका मन ऐसा लग जाता है कि उसे दूसरी बात की सुध-बुध ही नहीं रहती। कोई ठिगना मनुष्य हो, कोई बहुत ही लम्बे कद का व्यक्ति हो, कोई बहुत ऊँचा भवन हो, कोई मदारी विचित्र नाटक दिखा रहा हो, आकाश में कोई अजीब रोशनी दिखाई दे, कोई अनोखी ध्वनि सुनाई दे, कोई अत्यन्त सुन्दर सज्जन हो, किसी के वस्त्र आम रिवाज से बिल्कुल ही भिन्न हों, इन सभी की ओर मन स्वतः ही आकर्षित हो जाता है। ऐसे व्यक्तियों, वस्तुओं तथा वृत्तान्तों के प्रति मनुष्य के मन में स्वतः ही रुचि जागृत हो जाती है और वह ध्यानस्थ-सा (Attentive; absorbed) हो जाता है तथा उसके मत-पट पर उसका चित्र भी चिर स्मरणीय छाप छोड़ जाता है।

अतः यदि हम इस बात को समझें कि परमात्मा भी अद्भुत है, विचित्र है, महान् से भी महान् है और उसके कर्त्तव्य एक अर्थ में सर्वाधिक चमत्कारी भी हैं तो हमें उसकी स्मृति भी बारम्बार अपनी ओर आकर्षित करेगी और हम ध्यानस्थ अर्थात् एकाग्र एवं तल्लीन हो सकेंगे। परमाणु से भी सूक्ष्म ज्योति-बिन्दु रूप परमात्मा में सारी सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान होना-क्या यह सर्वोत्कृष्ट नहीं है? यदि कोई कलाकार एक चावल पर गीता का एक श्लोक लिख देता है तो उस चावल को भी लोग बहुत कौतुक से देखते हैं। तो क्या यह कम कौतुक की बात है कि इतने छोटे-से ज्योतिबिन्दु में तीनों लोकों और तीनों कालों का ज्ञान है? परमात्मा सारे संसार को महति संकट से उबार कर ढाई सहस्त्र वर्ष के लिए पूर्ण पवित्रता, सुख-शान्ति से सरसा देता है, यह क्या कम चमत्कार है? परमात्मा तो संगमयुग में अवतरित होकर संसार की सभी मनुष्यात्माओं को माया की भूल-भुल्लिया से निकालने का सर्व महान् कर्तव्य करते हैं। जो लोग आगरा जाते हैं, वे ताजमहल अवश्य देखते हैं क्योंकि वह बहुत सुन्दर है,परन्तु जब कोई मरता है तो उसके मित्र सम्बन्धी तो उसके लिए यही प्रार्थना करते हैं कि वह स्वर्ग सिधारे जिसका यह भाव है कि वे स्वर्ग को ताजमहल से भी सुन्दर तथा सुखद मानते हैं।

दिव्य स्मृति दादी जानकी की दिव्य स्मृति में बने शक्ति स्तंभ का किया अनावरण

दादी जानकी की हमेशा याद दिलायेगा शक्तिस्तंभः दादी रतनमोहिनी

दादी जानकी जी के स्मृति में बने शक्ति स्तंभ का वरिष्ठ दादियों और भाईयों ने किया अनावरण।

■ शिव आमंत्रण ▮ आबू रोड। दादी जानकी जी पूरे यज्ञ का आधार स्तंभ थीं। आपका पूरा जीवन सच्चाई, सफाई और सादगी की मिसाल रहा। दादी हमेशा कहती थीं कि सखी री मैंने पाओ तीन रतन- बाबा, मुरली और मधुबन। दादी ने खुद के बल पर बाबा को साथी बनाकर अपने जीवन में त्याग, तपस्या और सेवा से विश्व के 120 देशों में राजयोग और आध्यात्मिकता का संदेश पहुंचाया। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज संस्थान की स्प्रीचुअल हैड दादी रतनमोहिनी ने व्यक्त किए। मौका था पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी जानकी की प्रथम पुण्यतिथि का। शनिवार को दादीजी की पुण्यतिथि वैश्विक आध्यात्मिक जागृति दिवस के रूप में मनाई गई। इस दौरान संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारी सहित चंद लोग ही मौजूद रहे। साथ ही कोरोना गाइड लाइन का पालन किया गया। संस्थान की अतिरिक्त स्प्रीचुअल हैड ईशु दादी ने कहा कि दादीजी के साथ बिताए अनमोल पल सदा याद आते रहेंगे। उनकी शिक्षाएं बीके भाई-बहनों का मार्गदर्शन करती रहेंगी। अफ्रीका देशों में ब्रह्माकुमारीज की निदेशिका बीके वेदांती बहन ने कहा कि दादी जानकीजी को परमात्मा पर विश्वास और आत्मबल इतना मजबूत था कि पहली बार अकेले ही विदेश यात्रा पर गईं थीं। वहां उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में आध्यात्मिकता और राजयोग का संदेश लोगों तक पहुंचाया। उनकी मेहनत से लंदन में ग्लोबल को-ऑपरेशन हाऊस रिट्रीट सेंटर की स्थापना की गई जो आज हजारों लोगों के लिए आध्यात्म का केंद्र बन गया है। यूरोप की निदेशिका बीके जयंती बहन, अति. महासचिव बृजमोहन भाई, दादी की निजी सचिव रहीं बीके हंसा बहन, प्रबंधिका बीके मुन्नी बहन, सूचना निदेशक बीके करुणा, कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय ने भी विचार रखे।

शक्ति स्तंभ पर पहुंचकर दादी को भावभीनी पुष्पांजली अर्पित की।

प्रभारी मंत्री ने दादी गुलजार को दी श्रद्धांजली, माथा टेक लिया आशीर्वाद

दादी गुलजार को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए जिले के प्रभारी खाद्य एवं गोपालन मंत्री भाया प्रमोद जैन, सिरोही विधायक संयम लोढ़ा साथ में ब्रह्माकुमारीज के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय।

■ शिव आमंत्रण ▮ आबू रोड ▮ दादी हृदयमोहिनी (दादी गुलजार) के स्मृति स्थल पर पहुंचकर प्रदेश के खाद्य एवं गोपालन मंत्री भाया प्रमोद जैन ने श्रद्धासुमन अर्पित कर शीश नवाकर आशीर्वाद लिया। मंत्री जैन ने कहा कि दादीजी की शिक्षाओं को सदा याद रखा जाएगा। उन्होंने समाज कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय ने मंत्री जैन को दादीजी की स्मृति में निराकार परमात्मा शिव का चित्र भेंट किया। सिरोही विधायक संयम लोढ़ा, एसडीएम डॉ. गौरव सैनी, माउंट आबू नपा अध्यक्ष जीतू राणा, पूर्व यूआईटी अध्यक्ष हरीश चौधरी, पूर्व नपाध्यक्ष अश्विन गर्ग, बीके जगदीश भाई सहित बीके भाई-बहनें मौजूद रहे।

दादी हमेशा कहती थीं बड़ा सोचो, दृढ़ता ही सफलता की चाबी है: बीके जानकी

■ शिव आमंत्रण ▮ मंडीबामोरा (बीना, मप्र) ▮ प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी के अव्यक्त आरोहण पर मंडीबामोरा सेवाकेंद्र पर श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान अतिथियों और गणमान्य नागरिकों ने दादीजी को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनकी शिक्षाओं को याद किया। समापन पर दादीजी के निमित्त भोग लगाकर ब्रह्माभोजन का आयोजन किया गया। सभा के दौरान सेवाकेंद्र प्रभारी बीके जानकी दीदी ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान की मुख्य प्रशासिका 93 वर्षीय राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी 11 मार्च को शिवरात्रि के दिन यह नश्वर देह त्याग कर अव्यक्त हो गईं थीं, जिन्हें प्यार से सभी गुलजार दादी भी कहते थे। दादीदी जब 9 वर्ष की थी तब संस्था के साकार संस्थापक पिताश्री ब्रह्मा बाबा द्वारा खोले गए बोर्डिंग स्कूल में दाखिला लिया। दादी का बचपन से ही स्वभाव धीर-गंभीर और शांत था। जितना जरूरत होती थी वह उतना ही बात करती थीं।

अंतरराष्ट्रीय समाचार

काउंसिल जनरल ने की ब्रह्माकुमारीज़ की सेवाओं की सराहना

■ शिव आमंत्रण ▮ सेंट पीटर्सबर्ग ▮ रशिया के सेंट पीटर्सबर्ग सेवाकेंद्र पर इंटरनेशनल वुमेंस डे उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर कॉन्सूल जनरल ऑफ इंडिया दीपक मिगलानी, सोशल पॉलीसीज़ कमीटी के अध्यक्ष एलेक्ज़ेंडर वैलरी गार्नेट्स ने अपनी शुभकामनाएं दी और विश्वविख्यात ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की गतिविधियों को जमकर सराहा। इस उपलक्ष्य में सेंट पीटर्सबर्ग की निदेशिका बीके संतोष ने आंतरिक सुंदरता के 3 आध्यात्मिक रहस्य बताए और परमात्मा से अपना बुद्धियोग जोड़कर जीवन को सुखमय बनाने का आहवान किया।

संयुक्त राष्ट्र में राजयोग मेडिटेशन की महत्वपूर्ण भूमिका

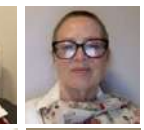

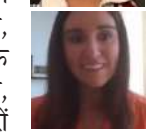

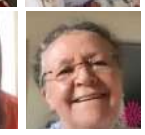

■ शिव आमंत्रण ▮ मियामी ▮ फ्लोरिडा के मियामी में यूनाइटेड नेशन द्वारा वुमेन हिस्ट्री मंथ के तहत वुमेन सोविंग द वे विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा में एनववाई हेल्थ फाउण्डेशन साउथ की पॉलिसी डायरेक्टर नताली केस्टेलन्स, यूनाईटेड नेशन के ब्रह्माकुमारीज की ऑफिस में बीके जुलिया ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा, कि संयुक्त राष्ट्र आयोग में महिलाओं के अधिकारों और उनकी भूमिका को दिलाने में राजयोग मेडिटेशन की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके साथ ही वीके वाडी ने कहा, कि अच्छाई के लिए परमात्मा से कनेक्टेड होने पर जीवन में चमक आती है। वरिष्ठ जुलिया ने दादी जानकी तथा दादी गुलजार के जीवन और उनकी विशेषताओं के बारे में अवगत कराया। इस मौके पर कमेन्टी बेबे बटलर तथा लुसिन्डा डेटॉन ने गीत गाया।

भगवान से कनेक्शन जोड़ने पर लोगों को वेबीनार से दी जानकारी

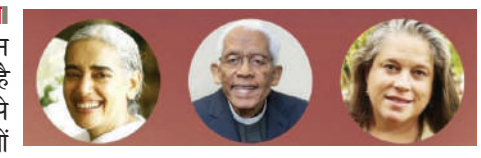

■ शिव आमंत्रण ▮ लंदन ▮ ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा भगवान कौन है, वो कहां रहता है और उससे कनेक्शन कैसे जोड़ें इस बात के प्रति लोगों में जागृति लाने के लिए वेयर इज़ गॉड इन ऑल दिस विषय पर ऑनलाइन इवेंट ऑर्गनाइज़ किया गया जिसमें रेडियो प्रेजेंटेटर और डॉक्यूमेंट्री मेकर फिलीपा ब्लैकहम ने ब्रह्माकुमारीज़ में यूरोप एवं मिडिलइस्ट की निदेशिका बीके जयंती, एपिस्कोपल चर्च के कैनन लोइड कैसन से वार्तालाप के जरिए वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए कई मुद्दों पर चर्चा की।

सुप्रीम पॉवर से शक्ति, शांति की अनुभूति करने का आह्वान

■ शिव आमंत्रण ▮ केनबेरा ▮ ब्रह्माकुमारीज़ के ऑस्ट्रेलिया सेवाकेंद्र द्वारा ओपन योर आईज टू द यूनिवर्स ऑनलाइन सीरिज़ के अन्तर्गत द लैंग्वेज ऑफ लव विषय पर आयोजित इवेंट में कोरोलाइन वॉर्ड ने इटली में राजयोगा प्रैक्टिशनर एंटोनेला फेरारी से बातचीत की जिसके बाद कॉमेंट्री के द्वारा राजयोग का अभ्यास कराते हुए सुप्रिम पॉवर से शक्ति, शांति और प्रेम की अनुभूति करने का श्रोता जन को आहवान किया।

परमात्मा पर फोकस करेंगे तो बढ़ेगी प्योरिटी

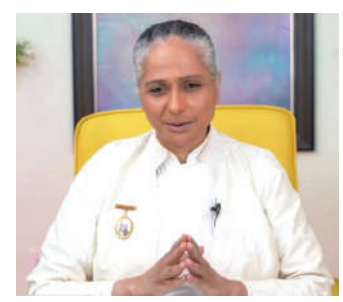

■ शिव आमंत्रण ▮ वॉशिंगटन ▮ वॉशिंगटन डीसी स्थित मेडिटेशन म्यूज़ियम द्वारा द नेक्स्ट नॉर्मल सीरिज़ के अन्तर्गत प्यूरिटी क्या है विषय पर ऑनलाइन कार्यक्रम रखा गया जिसमें मेडिटेशन म्यूज़ियम की निदेशिका बीके डॉ. जेना ने प्योर लव क्या है इस पर प्रकाश डाला और अपने को आत्मा निश्चय कर परमात्मा के ऊपर फोकस करके अंदर प्योरिटी को कैसे बढ़ाएं इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही इसी सीरिज़ के अन्तर्गत रिलीज़िंग सैडनेस विषय पर ऑनलाइन टॉक का आयोजन किया गया जिसमें सीनियर राजयोगा टीचर बीके डेविड ने दुख की अनुभूति को खुशी में परिवर्तित करने की कला बताई और राजयोग का अभ्यास कराया।

भूदान सुशील लोहिया और परिवार ने किया भूमिदान

ब्रह्मपुत्र पीस वैली रिट्रीट सेंटर का लोकार्पण

रिट्रीट सेंटर का उद्घाटन करते हुए बीके सत्यवती, बीके मृत्युंजय व अन्य।

समर्पित बहनें शपथ लेते हुए एवं उपस्थित परिवार।

■ **शिव आमंत्रण** । **तिनसुकिया** । आसाम के तिनसुकिया में ब्रह्मपुत्र पीस वैली रिट्रीट सेंटर का उद्घाटन तिनसुकिया पूर्व सबज़ोन प्रभारी बीके सत्यवती, ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, शिवसागर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रजनी के हस्त कमलों से संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह के बाद ब्रह्मपुत्र पीस वैली रिट्रीट सेंटर में 26 कुमारियों का भव्य रूप से समर्पण समारोह आयोजित किया गया जिसकी शुरूआत केक कटिंग तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से की गई। भूदान करके सहयोग देने वाले सुशील लोहिया और उनके परिवार को कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय ने बधाई दी। इस खास कार्यक्रम में उपस्थित संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारियों समेत अहमदाबाद की अंबावाड़ी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शारदा ने सभी समर्पित होने वाली बीके बहनों को ढ़ेर सारी शुभकामनाएं दी और उनके द्वारा किए गए त्याग, तपस्या व ईश्वर के प्रति समर्पण भाव को देखकर बेइंतेहा खुशी ज़ाहिर की।

सारंगपुर की बीके बहनों का शील्ड देकर सम्मान

शील्ड स्वीकारते हुए सारंगपुर की बीके बहनें।

■ **शिव आमंत्रण** । **सारंगपुर (मप्र)** । पेंशनर साहित्यिक चेतना मंच के द्वारा म.प्र में सारंगपुर के बदलीपुरा हनुमान मंदिर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें पेंशनरों ने अपनी साहित्यिक अभिव्यक्ति, सामाजिक परिवेश और सेवा पर परिचर्चा की और ब्रह्माकुमारी बहनों को उनकी सामाजिक सेवा के लिए सराहते हुए शील्ड देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर नगर के पेंशनर संघ के पदाधिकारी श्री. त्रिलोक, रिटा. सीएमओ ओ.पी. दुबे, रिटा. शिक्षिका आशा बागडे, सक्सेना मेडम, नंदकिशोर सोनी, जयहिन्द दुबे, सत्यनारायण शर्मा, भेरूलाल राठौर एवम समस्त पर्यावरण प्रेमी एवं वरिष्ठ जन उपस्थित रहे।

उल्हासनगर में ब्रह्माकुमारीज़ के नाम पर रखा मुख्य मार्ग

मार्ग का उद्घाटन करते हुए नगरसेवक राजेश टेकचंदानी।

■ **शिव आमंत्रण** । **उल्हासनगर** । महाराष्ट्र के उल्हासनगर सेवाकेंद्र के बाहर से जानेवाले मेन रोड का नामकरण हाल ही में ब्रह्माकुमारीज़ मार्ग से किया गया है जिसका उद्घाटन नगरसेवक राजेश टेकचंदानी, बिल्डर सुरेश तलरेजा और सेवाकेंद्र प्रभारी बीके पुष्पा द्वारा संपन्न हुआ। रोड का ये नामकरण सभी यात्रियों को आईना दिखाने वाला है कि ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र यहां पर स्थित है...आपको बता दें कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था ने यहां पर 40 साल तक अपनी निस्वार्थ सेवाएं दी है जिसका ये सुखद परिणाम है। इस मौके पर बीके परमानंद और बीके श्याम के साथ अन्य बीके सदस्य भी उपस्थित थे।

भीलवाड़ा के मेडिकल कॉलेज में विहासा के अंतर्गत हुई वर्कशॉप

मेडिकल स्टूडेंटस् के साथ विहासा फेसिलिटेटर्स।

■ **शिव आमंत्रण** । **भीलवाड़ा** । राजस्थान में भीलवाड़ा के मेडिकल कॉलेज में आर के कॉलोनी सेवाकेंद्र द्वारा विहासा के अन्तर्गत 3 दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमें बीके दीपा ने सकारात्मक दृष्टिकोण रखने और मूल्यों को जीवन में शामिल करने का महत्व बताया। प्राचार्य डॉ. शलभ शर्मा, डॉ. चित्रा पुरोहित समेत अन्य चिकित्सकों ने भी सफल चिकित्सक बनने के लिए किन बातों को जीवन में शामिल करना ज़रूरी है इसपर अपने व्याख्यान दिए।

रीवा में निकाली स्वच्छता अभियान रैली

गांव में निकाली गई रैली का एक दृश्य।

■ **शिव आमंत्रण** । **रीवा** । म.प्र. के रीवा में स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके निर्मला के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई जिसकी शुरूआत झिरिया सेवाकेंद्र से बीके निर्मला और रेड 'ॅस सोसायटी के उपाध्यक्ष हाजी ए के खान द्वारा हरी झंडी दिखाकर की गई और लोगों को स्वच्छता अपनाने के लिए जागरूक किया गया। इस अभियान में शहर के 45 वार्डों में संगोष्ठियों और रैलियों के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता लाने के लिए बृहद् अभियान चलाया जा रहा है। रैली शहर के शिल्पि प्लाजा से निकली और विभिन्न मार्गों से होते हुए साई मंदिर से आगे निकली। जगह जगह स्लोगनों, नारों और जागरूकता भाषणों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता अपनाने के लिए सचेत किया गया। स्वच्छता रैली के प्रमुख संयोजक नीरज त्रिपाठी, धीरज तिवारी, प्रिया चतुर्वेदी, कर्नल संदीप पटेल के अलावा ब्रह्माकुमारीज की ओर से बीके डॉक्टर अर्चना, बीके प्रकाश के साथ कई भाई-बहने और गणमान्य नागरिकोने रैली को सहयोग दिया।

व्यसनमुक्ति ओडिशा के राउरकेला में चलाया व्यसनमुक्ति अभियान

अभियान के दौरान एनआईटी के 60 सुरक्षा कर्मियों ने लिया व्यसनमुक्ति का संकल्प

व्यसनमुक्ति कार्यक्रम के बाद ग्रुप फोटो में सुरक्षाकर्मी

■ **शिव आमंत्रण**

राउरकेला । ओड़िशा के राउरकेला सेवाकेंद्र द्वारा मेरा भारत व्यसनमुक्त भारत अभियान के तहत एनआईटी के सुरक्षा बल कर्मियों के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बीके राजीव, बीके चितरंजन और बीके धनंजय ने सुरक्षाकर्मियों को राजयोग के लाभ बताए और नशामुक्त जीवन बनाने की दृढ़ प्रतिज्ञा कराई। इस कार्यक्रम के तहत नशा मुक्ति की विस्तृत जानकारी प्रोजेक्टर शो के माध्यम से देते हुए सभी को सहज राजयोग का अभ्यास भी करवाया गया। इस कार्यक्रम के द्वारा करीब 60 सुरक्षा कर्मियों ने यह दृढ़ संकल्प भी लिया की इस जहर को अपने जीवन में कभी स्वीकार नहीं करेंगे एवं अपने प्रियजनों को भी इससे बचाएंगे। इस मौके पर सभी ने राजयोग सीखने की इच्छा भी उजागर की।

कार्यक्रम का संचालन बीके राजीव सहित बीके चित्तरंजन और बीके धनंजय ने संपन्न किया। सभी आमंत्रित मेहमानों को बीके उर्वशी ने ईश्वरीय उपहार देकर राजयोग को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा देते हुए सभी का मुख मीठा करवाया। यह कार्यक्रम एनआयटी कैम्पस में सुरक्षा कर्मियों के आवासीय ब्लॉक में रखा गया था।

सूचना के लिए संपर्क करें

सामाजिक सेवाओं तथा आंतरिक सशक्तिकरण के प्रयास के साथ निकाला गया मासिक **शिव आमंत्रण समाचार पत्र** एक संपूर्ण अखबार है। इसमें आप सभी पाठकों का लगातार सहयोग मिल रहा है, यही हमारी ताकत है।
वार्षिक मूल्य 110 रुपए, **तीन वर्ष** 330
आजीवन 2500 रुपए

पत्र व्यवहार का पता

संपादक ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज़ शिव आमंत्रण ऑफिस,
शांतिवन, आबू रोड, जिला- सिरोही,
राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो 9414172596, 9413384884
Email shivamantran@bkivv.org

परमात्मा की याद से असंभव कार्य भी संभव हो जाता है

कृषि मेले मे मंच पर उपस्थित अतिथि।

■ शिव आमंत्रण

नई दिल्ली । नई दिल्ली में आयोजित 3 दिवसीय पूसा कृषि विज्ञान मेले में ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्रामीण विकास प्रभाग और सत्कार भवन व इंद्रपुरी सेवाकेंद्र द्वारा शाश्वत यौगिक खेती के बारे में जानकारी देने के लिए चित्र प्रदर्शनी और स्टॉल का आयोजन किया गया जिसमें इंद्रपुरी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके बाला समेत अन्य सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और हज़ारों लोगों को जैविक व यौगिक खेती के लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए राजयोग द्वारा प्रकृति पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव का भी महत्व बताया। इस मौके पर बीके बाला ने कहा, परमात्मा को हम आत्मिक स्वरूप में याद करे, उनसे शान्ति, शक्ति, प्यार प्राप्त करे, अपने आपको गुणों से भरपूर करे और सृष्टि पर उसको सिंचन करे। परमात्मा को याद करने से असंभव कार्य भी संभव हो जाता है। बीके सदबीर, सदस्य, ग्राम विकास प्रभाग, बख्तावरपुर ने कहा, सब्जियों पर फफुन या कोई रोग लगा हुआ हो तो नीम का रस निकाल कर छाछ मे मिलाकर छिडकने से वह नष्ट हो जाता है। इस मेले में आत्म निर्भर किसान विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया गया था जिसमें मजलिस पार्क सेवाकेंद्र प्रभारी बीके राज, सत्कार भवन के वरिष्ठ राजयोगी बीके जयप्रकाश और सेवाकेंद्र प्रभारी बीके ज्योति ने अपने विचार रखे। कार्यकम में आयसीएआर के डायरेक्टर डॉ. ए. के. सिंग ने अपने अन्य सहयोगियों के साथ बीके राज, बीके जय प्रकाश से सात्विक यौगिक खेती के महत्व को जान ज्ञान चर्चा की। सदस्यों ने उन्हे सेवाकेंद्र पर आने का निमंत्रण दिया। इस मेले में सफल

अनावश्यक बातों के कचरे से मुक्त रहो तो भागेगा तनाव

ऑनलाइन कार्यक्रम में शामिल अतिथि।

■ शिव आमंत्रण । **दिल्ली** ।

नई दिल्ली के लोधी रोड सेवाकेंद्र द्वारा एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय मुख्यालय में तनाव मुक्त जीवन शैली विषय पर आयोजित ई संगोष्ठी में देशभर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस मौके पर अन्तर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता बीके पीयूष, कर्नाटक के बेलगांव से न्यायविद् प्रभाग की संयोजिका बीके विद्या और लोधी रोड सेवाकेंद्र प्रभारी बीके गिरिजा ने विषय पर सुंदर व्याख्यान दिया। अपने वक्तव्य में ब्रह्माकुमारीज की वरिष्ठ फैकल्टी बीके पीयुष ने बताया, कि हम एक बार में केवल एक ही कार्य करे। कई बार हम अनेक अनावश्यक बातों को लेकर बैठे रहते है जिससे मन भारी हो जाता है और अंततः वही तनाव का कारण बन जाता है।

बेलगाम-कर्नाटक से न्यायविद् प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके विद्या ने कहा, कई बार हम अपने मन में भ्रांतियां लेकर बैठे रहते है। कई लोगों के बारे में पूर्वग्रह से ग्रसित हो जाते है। तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए हमे प्रत्येक व्यक्ति के विषय में गुणग्राही बनना है। हर एक व्यक्ति में दोष के साथ बहुत सारे गुण भी रहते है। गुण देखने की दृष्टि रखे। नई दिल्ली के लोधी रोड सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके गिरिजा ने कहा, कि आज मै जो भी हूँ उसका कारण मै ही हूं। इसलिए कहने मे आता है कि मनुष्य अपने भाग्य का स्वयं ही निर्माता है। राजयोग आज हमारे जीवन की जरूरत है, इसके अनेक लाभ है। इसके उपरांत उन्होने प्रतिभागियोंको गहन योगानुभूति कराई गई।

मूल्यों को आत्मसात कर जीवन बनाएं दिव्य

■ शिव आमंत्रण । **नयागढ़** । ओड़िशा के नयागढ़ सेवाकेंद्र के गोदीपदा उपसेवाकेंद्र द्वारा मिनी मैराथन और ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया जिसमें सरपंच अन्तरयामी साहू, डिफेंस कैरियन एकेडमी के संतोष, नयागढ़ सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मिनी, गोदीपदा उपसेवाकेंद्र प्रभारी बीके कुमारी ने मिनी मैराथन में आए विजयी युवाओं को शील्ड व सर्टिफिकेट देकर प्रोत्साहित किया तथा जीवन में मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। इस उपलक्ष्य में बड़ी संख्या में युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

असीम शक्ति होने से स्त्री को कहते हैं शक्तिस्वरूपा

■ शिव आमंत्रण । **नरसिंहपुर** । म.प्र के नरसिंहपुर सेवाकेंद्र में परमात्म शक्ति द्वारा विश्व परिवर्तन के कार्य में महिलाओं का योगदान विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर बीके प्रीति ने कहा, कि एक महिला परिश्रमपूर्वक, अथक और अत्यंत सहजता के साथ बहुत सारी भूमिकाएं निभाती है। उसमे असीम सहन शक्ति होने के कारण सब को साथ ले जाने की भी कला है। इसलिए उसको शक्ति स्वरूपा कहा जाता है। जिस घर में स्त्री को सम्मान है वह घर भी सहज रूप से चलता है। कार्यक्रम का उदघाटन पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति संध्या कोठारी, जिला कांग्रेस महिला अध्यक्ष श्रीमति विमला ठाकुर, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ महिला समिति सदस्य श्रीमति प्रवीणा गोस्वामी, झुग्गी झोपडी प्रकोष्ठ कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमति आशा शाह, पातंजलि योग समिति सदस्य इन्दु सिंह, भारत विकास परिषद महिला प्रमुख श्रीमति भारती कौरव, श्रीमति इति चांदोरकर, भगत सिंह वार्ड यादव कॉलोनी पार्षद सिया तिवारी, डॉ. साधना पटैल, डॉ. राजश्री पटैल एवं बीके प्रीति ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके पश्चात कु तेजस्विनी एवं कु. संयोगिता ने नृत्य के माध्यम से सभी अतिथियों का स्वागत किया।

नागपुर की उपमहापौर और सभापति पहुंचे सेवाकेंद्र

लक्ष्मी नगर के सभापति सुनील हिरनवार को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए बीके रजनी।

■ शिव आमंत्रण । **नागपुर** । नागपुर के वसंत नगर सेवाकेंद्र पर उपमहापौर मनीषा ताई धावडे और लक्ष्मी नगर के सभापति सुनील हिरनवार ने शिरकत की तथा नागपुर सबज़ोन प्रभारी बीके रजनी से मुलाकात कर ईश्वरीय ज्ञान की चर्चा की। इस उपलक्ष्य में बीके रजनी ने उन्हें संस्थान की गतिविधियों की जानकारी देने के साथ राजयोग द्वारा लक्ष्मी नारायण जैसा दिव्यगुणों से सुसज्जित बनने की प्रेरणा देते हुए ईश्वरीय सौगात भेंट की।

संस्था की निस्वार्थ सेवाएं वैश्विक स्तर पर सराहनीय हैं: सिंह

बीजेपी अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह को ईश्वरीय सौगाद भेंट करते हुए बीके विमला एवम् अन्य।

■ शिव आमंत्रण । **मऊ** । उत्तर प्रदेश के प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह के मऊ पहुंचने पर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके विमला के साथ भाई-बहनों ने मुलाकात कर शुभकामनाएं दी। इस दौरान अध्यक्ष सिंह ने कहा कि संस्था की निःस्वार्थ सेवाएं वैश्विक स्तर पर सराहनीय हैं। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में संस्था अपनी आध्यात्मिक सेवाओं के द्वारा उन्हें आंतरिक रूप में सशक्त एवं खुशहाल बना रही है। मुझे लखनऊ में प्रवास के दौरान संस्था की तत्कालीन मुख्य संचालिका, परमपूज्य दादी जानकी का पावन सानिध्य प्राप्त करने का शुभ-अवसर प्राप्त हुआ यह मेरा परम सौभाग्य है। इस दौरान बीके पूनम, बीके सोनी, बीके पंकज आदि उपस्थित रहे।

व्यसनमुक्ति जागृति के लिए बीके मंजू का सम्मान

मोमेंटो स्वीकारते हुए बीके मंजू।

■ शिव आमंत्रण । फरूखाबाद । यूपी में फर्रूखाबाद के माघमेला श्री रामनगरिया गंगातट के समापन समारोह में बीबीगंज सेवाकेंद्र द्वारा चरित्र निर्माण, ग्राम विकास, व्यसनमुक्ति एवं महिला सशक्तिकरण प्रदर्शनी लगाई गई जिसके सफल प्रयास के लिए जिलाधिकारी मानवेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा तथा जिला विकास अधिकारी दुर्गादत्त शुक्ला ने बीके मंजू को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

कृषि राज्यमंत्री श्रीराम चौहान से बीके मधु की मुलाकात

कृषि राज्यमंत्री को सौगात देतीं ब्रह्माकुमारी बहनें।

■ शिव आमंत्रण । आगरा, यूपी । आगरा जनपद में हुई मंडलीय फल शाक-सब्जी एवं पुष्प प्रदर्शनी में कृषि राज्यमंत्री श्रीराम चौहान से आर्ट गैलरी म्यूज़ियम की प्रभारी बीके मधु ने मुलाकात कर शिव परमात्मा का ईश्वरीय संदेश देते हुए सौगात भेंट की। साथ ही माउंट आबू में की जा रही ऑर्गेनिक यौगिक कृषि के बारे में भी अवगत कराया। इसके बाद ब्रिगेडियर शिवेंद्र कुमार, डीजीसी अशोक चौबे, बीजेपी ब्लॉक प्रमुख डॉ. संजीव यादव ने म्यूजियम का अवलोकन कराया तथा ईश्वरीय सौगात भेंट की।

मुख्य सचेतक कल्याणी राव ने किया अगरतला सेवाकेंद्र का अवलोकन

■ शिव आमंत्रण । अगरतला । त्रिपुरा विधानसभा की मुख्य सचेतक कल्याणी राव ने त्रिपुरा के अगरतला सेवाकेंद्र पर शिरकत की जहां उनका स्वागत सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कविता, राजयोग शिक्षिका बीके पपीहा और बीके रोमिता ने किया। बीके कविता ने उन्हें केंद्र में स्थित त्रिपुरेश्वर मंदिर, तापसी धाम, बाबा का कामरा, फूलों का बगीचा आदि का दौरा कराया। उन्हें केंद्र के सुंदर और पवित्र वातावरण में दिव्य आनंद प्राप्त हुआ। बीके बहनों के आतिथ्य ने उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया। बीके कविता ने श्रीमती रॉय को राजयोग साधना के नियमों की जानकारी दी और उन्हें विभिन्न उपहार भेंट किए। रॉय ने कहा कि वह जब समय मिले, ध्यान करने के लिए केंद्र में आ जायेगी। उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों पहले उन्होंने माउंट आबू में ब्रह्माकुमारियों के मुख्यालय का दौरा किया था और वरिष्ठ बीके भाई-बहनों से मुलाकात की थी। इसके पहले भी उन्होंने अगरतला सेवाकेंद्र का दौरा किया था, लेकिन इस बार उन्हें आध्यात्मिकता का गहरा आकर्षण हुआ।

ऑनलाइन कार्यक्रम ▸ सिक्योरिटी सर्विस विंग के ऑनलाइन कार्यक्रम में व्यक्त विचार

आध्यात्मिकता से बढ़ती है मन की शक्ति

शिव आमंत्रण

ऑनलाइन स्ट्रेस इराडिकेशन प्रोग्राम मे शामिल अतिथि।

माउंट आबू । ब्रह्माकुमारीज़ के सिक्योरिटी सर्विस विंग द्वारा 3 दिवसीय ऑनलाइन स्ट्रेस इराडिकेशन प्रोग्राम का आयोजन आरपीएफ के लिए किया गया। इसमें मुंबई से मोटिवेशनल ट्रेनर बीके ईवी गिरीश, दिल्ली से बीके कमला, रानी से बीके अस्मिता मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने इस विषय पर बखूबी प्रकाश डाला। बीके गिरीश ने कहा, आप ने जब आरपीएफ जॉईन किया होगा तो आपने कितनी ट्रेनिंग की होगी। फिजिकल ट्रेनिंग होती है, मन के गुस्से को दूर करने की ट्रेनिंग होती है। परेशानी या अंदर की चिंताओं को दूर करने की ट्रेनिंग और यही ट्रेनिंग प्रजापिता ईश्वरीय विश्वविद्यालय देता है। उन्होने कहा, दुख का भी कोई धर्म नही है और दुख से मुक्ति पाने के लिए भी कोई धर्म नही है। आध्यात्मिकता इन सब बातों से आपको ऊपर उठाती है। या फिर जो आध्यात्मिक व्यक्तित्व होगा वो अपनेजीवन मे से क्रोध, चिंता, अशांति, टेन्शन, स्ट्रेस, इनसिक्योरिटी को दूर करेगा। बीके कमला ने कहा, आप की जो प्रोफेशनल टायटल है वह रोल है लेकिन आप सोल है वास्तव मे। ये आप की सत्यता है। अपनी सत्यता में बार बार टिकना, संकल्पों से उसको इमर्ज करने से आत्मा के अंदर की शक्तियां और गुण आसानी से काम करेंगे। बीके अस्मिता ने कहा कि आध्यात्मिकता का पहला ही पाठ है आत्मा का अध्ययन, यानी स्वयं का अध्ययन, यानी ये जानना की मै कौन हूं। हमारी ये जो शरीर है यह मात्र हड्डी मास का पुतला है। लेकिन इसके अंदर एक चेतना शक्ति है जिसे हम आत्मा कहते है। जब हम अपने को आत्मा समझ पाते है या रियलाइज करते है तो हमारे अंदर छिपी हुई शक्तियों का, गुणों का हमे एहसास होने लगता है। इस अवसर पर इस्ट सेंट्रल रेलवे के आईजी कम पीसीएससी मयंक व कई अधिकारी समेत लगभग 300 आरपीएफ पर्सोनल ने कार्यक्रम का लाभ लिया।

अंतरराष्ट्रीय ताज रंग महोत्सव में बीके ममता का किया सम्मान

■ शिव आमंत्रण । आगरा । अंतर्राष्ट्रीय ताज रंग महोत्सव में भिन्न भिन्न क्षेत्र से जुड़ी महिलाओं को उनके सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ के पीपलमंडी सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके ममता को ताज नवर| से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड बीजेपी प्रवक्ता डॉ. रजनीश त्यागी, नटरंजली थिएटर की डायरेक्टर अल्का खिरवर, मनकामेश्वर मन्दिर के महन्त योगेश पुरी द्वारा बीके ममता को प्रदान किया गया। महोत्सव के अंतिम दिन सिंधी समाज में सोमनाथ धाम के ठाकुरनाथ योगेश्वर, शाहगंज गुरूद्वारे के प्रमुख बॉबी आनन्द, अल्का खिरवर और उद्योगपति बंटी ग्रोवर की मौजूदगी में बीके ममता शाल पहनाकर और शाहगंज सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके दर्शन को पट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। इसमें फाल्गुन मास में होने वाले महोत्सव को लेकर सांसद एसपी सिंह बघेल के आवास पर चर्चा के लिए धर्मपत्नी मधु बघेल ने एक स्नेह मिलन का कार्यक्रम रखा।

ताज नवर सम्मान से बीके ममता का सम्मान करते हुए।

महिला सम्मेलन ▸ संस्कृति की संरक्षक महिला विषय पर व्यक्त किए विचार

जागरूक नारी ही बनेगी संस्कृति की संरक्षक

कार्यक्रम में मंचासीन अतिथि।

कार्यक्रम में उपस्थित भाई-बहनें।

■ शिव आमंत्रण

अंबिकापुर । छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर सेवाकेंद्र द्वारा संस्कृति की संरक्षक महिला विषय पर कार्यक्रम रखा गया जिसमें मातृछाया अध्यक्षा वंदना दत्ता, डॉ मंजू शर्मा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ मंजू एक्का, वरिष्ठ परिवेक्षा और कल्याण अधिकारी बाणी मुखर्जी और सेवाकेंद्र प्रभारी बीके विद्या समेत अन्य अतिथियों ने अपने विचार रखे। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ मंजू एक्का ने कहा, नारी को अपने स्वास्थ्य प्रति जागरूक रहना यह भी जिम्मेवारी है। जब हम खुद स्वस्थ होंगे तब अपने परिवार को संभाल सकेंगे उनका पालन पोषण सही ढंग से कर सकेंगे। और साथ ही साथ उन्होंने यह भी बताया कि समाज में जो भी नारियों के साथ गलत कार्य हो रहे हैं उसके लिए लिए हमें एजुकेटेड होने के साथ-साथ जागरूक भी होना पड़ेगा। मातृछाया अध्यक्षा वंदना दत्ता ने ब्रह्माकुमारीज की सराहना करते हुए कहा, कि यह एक ऐसी संस्था है जिसको महिला शक्ति के रूप से पहचाना जाता है। जब तक महिलाओं का सम्मान नहीं होगा, देश आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने सीता माता का उदाहरण देते हुए कहा, कि कितने आरोपों को सहते हुए भी माता सीता ने अपने गंतव्य को नहीं छोड़ा तो इसी प्रकार हमारे अंदर भी सेवा भाव जागृत होना चाहिए जिससे ही नारी पूजी जाती है। सरगुजा संभाग की सेवा केंद्र संचालिका बीके विद्या ने कहा, वास्तव में भारतीय संस्कृति देव संस्कृति देव संस्कृति है जिसमें प्रेम, दया, साहस, करुणा, पवित्रता, शांति, सुख सब था परंतु समय बीतता गया और इसका पतन हुआ और उन्होंने इस पतन को उठाने का विश्वास नारी पर ही जताया। नारी ही एक ऐसी शक्ति है जो समाज को दया प्रेम करुणा से भर सकती है और भारतीय संस्कृति वापस ला सकती है। उन्होंने मदरसा की कहानी सुना कर स्पष्ट किया कि माँ ही बच्चों की प्रथम गुरु होती है। इसके लिए आवश्यक है स्वयं के विचारों को श्रेष्ठ बनाना जिसके लिए परमात्मा शिव जो ज्ञान दे रहे है।

महिला सशक्तिकरण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में बीके उर्मिला के विचार

आध्यात्म से अंतर्रात्मा का विकास करें

शिव आमंत्रण

कादमा। ब्रह्माकुमारीज कादमा-झोझूकलां (हरियाणा) के तत्वावधान में महाशिवरात्रि महोत्सव एवं महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में माउंट आबू से पधारी बीके उर्मिला ने महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य स्पष्ट करते हुए कहा, परमपिता परमात्मा शिव कल्याणकारी हैं जो हम सभी मनुष्य आत्माओं को काम, 'ोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष, घृणा, आलस्य आदि विकारों से दिव्य ज्ञान द्वारा छुटकारा दिला कर मनुष्य से देवता बनाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा, की स्वयंभू, अजन्मा, निराकार परमपिता परमात्मा शिव का दिव्य जन्मोत्सव ही शिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। साप्ताहिक कार्यक्रमों का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं शिव ध्वजारोहण के साथ झोझूकलां के सेठ किशनलाल वाले मंदिर में धूमधाम से किया गया

दीप प्रज्ज्वलन कर साप्ताहिक कार्यक्रमों का शुभारंभ करते अतिथि।

जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ दिव्य गीतों एवं प्रवचनों का विशेष आकर्षण रहा। बीके उर्मिला, बीके वसुधा, डॉ. एकता पवार, मंजू वत्स, प्रोफेसर संगीता ने दीप प्रज्वलन कर किया। बीके उर्मिला ने कहा, की परचिंतन, प्रदर्शन, व्यर्थ की बातों को छोड़ अगर महिला पारिवारिक मूल्यों को अपनाएं तो अवश्य ही हम समाज को दिव्य व श्रेष्ठ बना सकते हैं क्योंकि महिला परिवार की धूरी है। उन्होंने कहा, कि एक महिला में वह शक्ति है जो परिवार को जोड़ें रख सकती है लेकिन यह तभी संभव है जब अध्यात्म को अपना कर आंतरिक शक्तियों का विकास करें। सीएचसी झोझू की मेडिकल ऑफिसर डॉ. एकता पंवार ने महिला सशक्तिकरण पर बोलते हुए कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं यह बड़ी खुशी की बात है। लेकिन आज आवश्यकता है महिलाओं को अपनी शक्तियों का सकारात्मक प्रयोग कर अपने बच्चों को सुसंस्कारित बनाने की। झोझूकलां क्षेत्र प्रभारी बीके वसुधा ने कहा, कि परमपिता परमात्मा शिव एवं मातृशक्ति के दिन पर हम सभी ने दृढ़ संकल्प के साथ समाज को नई दिशा देने का कार्य करना चाहिए तभी नव निर्माण होगा। भारत विकास परिषद की बेटी बचाओ प्रकल्प की प्रांतीय संयोजिका मंजू वत्स ने कहा, कि बेटा बेटी को एक समान दर्जा दे समाज को उन्नति की ओर ले जा सकते हैं। तभी हम नए भारत की कल्पना कर सकते हैं। महिला शिक्षण महाविद्यालय झोझूकलां की प्रोफेसर संगीता ने कहा, कि मातृशक्ति आध्यात्मिक और मानवीय मूल्यों को जीवन में धारण करें तो परिवार को एक सूत्र में बांध सकते हैं। इस मौके पर नन्हे-मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

नेपाल में नवनिर्मित तालाब का किया शिलान्यास

बीरगंज। नेपाल में बीरगंज के निर्माणाधीन पीस रिट्रीट सेंटर में प्रदेश नं. 2 के उद्योग, पर्यटन, वन तथा पर्यावरण मंत्री रामनरेश राय, प्रदेश सभा सदस्य ज्वाला शाह, नेपाली कांग्रेस शोभकार पराजुली, बीरगंज सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रवीना समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारीयों की उपस्थिती में 85वीं शिवरात्री कार्यक्रम का आगाज हुआ और साथ ही रिट्रीट सेंटर में नवनिर्मित हो रही तालाब का मंत्री रामनरेश राय द्वारा शिलान्यास भी किया गया। मन्त्री रामनरेश राय के मुख्य आतिथ्य में पत्रकार अभिनन्दन समारोह भी आयोजित हुआ। वरिष्ठ राजयोग शिक्षक बीके राजू ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को तनावमुक्त जीवन जीने की कई युक्तियां बतायी तो बीके रवीना ने निराकार परमात्मा शिव के अवतरण और दिव्य अलौकिक कर्तव्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रदेश सभा सदस्य ज्वाला साह, नेपाली कॉग्रेस के नेता शोभाकर पराजुली, क्याम्पस प्रमुख राधेश्याम सिवाकोटी, कलैया प्रभारी बीके मिना, विश्वदर्शन भवन छपकैया प्रभारी बीके बेली, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक बीके राजु घले, बीके गुणराज लामिछाने, विभिन्न

तालाब का शिलान्यास करते हुए मंत्री रामनरेश राय तथा अन्य।

राजनीतिक दल के प्रतिनिधिगण, सुरक्षा संयन्त्र के प्रतिनिधि, प्रदेश एवं जिला स्तर के अन्य सन्चारकर्मी तथा विभिन्न स्थान से आए हुये राजयोगी भाई-बहनें उपस्थित थे ।

महाशिवरात्रि 85 वीं महाशिवरात्रि महोत्सव पर प्रो. बलदेव शर्मा के विचार

शिव तत्व की उपासना से होगी सामाजिक सद्भावना

अतिथि एवं श्रोतागण।

सभा को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बलदेव शर्मा।

■ शिव आमंत्रण

रायपुर। कुशाभाउ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव शर्मा ने कहा, कि शिव का स्वरूप कल्याणकारी है। शिव की अराधना करने का मतलब सिर्फ अक, धतूरा चढ़ाना मात्र नहीं है, वरन् जगत के कल्याण के लिए जीना सीखना होगा। अपने उन्नयन और जगत के कल्याण के लिए जीना ही शिव तत्व है। इस शिव तत्व को अन्तर्मन में समाहित करने की जरूरत है। प्रो. बलदेव शर्मा ब्रह्माकुमारीज द्वारा नवा रायपुर के शान्ति शिखर भवन में आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव कार्यक्रम में बोल रहे थे। विषय था -परमात्मा शिव का दिव्य अवतरण कब, क्यों और कैसे? उन्होंने आगे कहा, कि आजकल इस तरह का जीवन हो गया है कि सब कुछ प्राप्त करने की चाह में हम दौड़ते रहते हैं। यह दौड़ ज्यादा से ज्यादा सुख प्राप्त करने के लिए होती है किन्तु अन्त में पता चलता है कि हमें कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। दरअसल आत्मा में आनन्द समाया हुआ है। उसको पहचानने की जरूरत है। ज्ञान को जब तक आचरण में नहीं लाएंगे तब तक वह व्यर्थ है। गृह सचिव अरूण देव गौतम ने रामचरित मानस के श्लोकों पर प्रकाश डालते हुए कहा, कि उसमें शिव को श्रद्धा और विश्वास के रूप में माना गया है। उन्होंने कहा, कि हम अपने स्वरूप को भूल गए हैं। अपने को पंचभूत देह मान बैठे हैं। अपने सही स्वरूप की पहचान दिलाने का कार्य ब्रह्माकुमारी बहनें कर रही हैं। इसी से सारे दुखों और कष्टों का अन्त होगा। भारतीय प्रबन्धन संस्थान (आई.आई.एम.) के डायरेक्टर भरत भास्कर ने कहा, कि अपने अन्दर की ज्योति को प्रकाशित करना ही सच्ची शिवरात्रि है। ब्रह्माकुमारी संस्थान की क्षेत्रीय निदेशिका बीके कमला ने कहा, कि भारत त्यौहारों का देश है। लेकिन जब तक उन त्यौहारों का यथार्थ अर्थ न समझें उसका पूरा लाभ नहीं उठा सकते। शिक्षिका बीके नीलम ने कहा, कि राजयोग के सतत् अभ्यास से मन की वृत्तियाँ शुद्ध होती हैं ।

विश्व कल्याण का कार्य तीव्र करने के लिए ब्रह्मा बाबा हुए अव्यक्त

शिवरात्रि का शिवध्वज फहराकर उद्घाटन करते अतिथि एवं शिवरात्रि निमित्त बनाई गई चैतन्य झांकी।

■ शिव आमंत्रण ■ रांची। झारखंड के रांची सेवाकेंद्र पर शहर की जानी मानी हस्तियों की मौजूदगी में केक काटकर और शिवध्वज फहराकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उसके पश्चात सेवाकेंद्र प्रभारी बीके निर्मला ने सभी को महाशिवरात्री का वास्तविक अर्थ स्पष्ट किया तो अतिथियों अपने अनुभव सभी से साझा किये। अंत में सभी अतिथियों को बीके निर्मला ने ईश्वरीय सौगात भेंट की और सभी से जीवन का सच्चा आनंद व सुख प्राप्त करने के लिए राजयोग का अभ्यास करने की अपील की।

वृंदावन के शिवानुभूति मेले का लिया हजारों लोगों ने लाभ

प्रदर्शनी में उपस्थित सेवाधारियों का ग्रुप।

■ शिव आमंत्रण ■ वृंदावन। यूपी में वृंदावन के कुंभ मैदान में दिल्ली के लॉरेंस रोड सेवाकेंद्र द्वारा शिव अवतरण अनुभूति मेले का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ सिद्ध पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी कौशल किशोर दास ने किया। इस मेले में स्वर्ग दर्शन, आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी, चैतन्य देवियों की झांकी, शांति हवन कुंड और हेल्थ, वेल्थ हैप्पीनेस प्रदर्शनी मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा जिसका समाजिक कार्यकर्ता ममता भारद्वाज समेत कई विशिष्ट व आम नागरिकों ने अवलोकन कर इसका लाभ लिया। इसके साथ ही इस मेले में 7 दिवसीय राजयोग मेडिटेशन कोर्स भी कराया गया जिससे अनेकों लोगों ने लाभ लेकर अपने जीवन को सुखमय बनाने का प्रयास किया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके लक्ष्मी और बीके कविता के नेतृत्व में 25 मार्च तक यह मेला लगाया गया था। श्रद्धालु भक्तजनों को इसका बहुत लाभ हुआ, उन्हें परमात्मा का संदेश नए तरीके से विभिन्न प्रकार के टॉक शो के द्वारा दिया गया।

तालापारा में निकाली विशाल रैली

रैली और झांकि का एक दृश्य।

■ शिव आमंत्रण ■ बिलासपुर। बिलासपुर के तालापारा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रमा के निर्देशन में शिवजयंती के पावन पर्व के अवसर पर मल्हार में विशाल रैली निकाली गई और जनजन तक परमात्म अवतरण का दिव्य संदेश पहुंचाने का प्रयास किया।

महिला दिवस माधोगंज सेवाकेंद्र प्रभारी बीके आदर्श ने कहा-

संस्कृति की रक्षा का बीड़ा स्वयं महिलाओं को उठाना होगा

■ शिव आमंत्रण

ग्वालियर। ग्वालियर के माधौगंज सेवाकेंद्र पर संस्कृति की संरक्षक महिला विषय पर लश्कर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके आदर्श, नशामुक्ति केंद्र की संचालिका माधवी सिंह, महिला मोर्चा मंडल की अध्यक्षा पद्मा शर्मा समेत अन्य विशिष्ट महिलाओं ने प्रकाश डाला।

ग्वालियर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके आदर्श ने कहा, कि संस्कृति का सम्बन्ध संस्कारों से है। व्यक्ति का रहन सहन, खान-पान, वेशभूषा, आचरण, चरित्र संस्कृति के अंतर्गत आते हैं। भारतीय संस्कृति आदि काल से उच्च, श्रेष्ठ दैवी संस्कृति रही है जिसके आदर्श बहुत ऊंचे थे। काल चक्र घूमने के साथ अनेक विदेशी आक्रमण होने से अनेक संस्कृतियों का संक्रमण भारतीय संस्कृति से होने लगा। महिलाओं को सुरक्षा के कारण चार दीवारी में रखा जाने लगा। इससे नारी अनेक कुरीतियो, रूढिवादी सोच में जकडने लगी। अतः संस्कृति और संस्कारों की रक्षा का बीड़ा स्वयं महिलायों को उठाना होगा। वह स्वयं सुसंस्कृत हो, सशक्त हो तो भावी पीढ़ी का श्रेष्ठ संस्कारों से सिंचन कर नारी भारतीय संस्कृति के आदर्शों के प्रति उनमे आस्था जाग्रत कर सकती है। पर उसमे रूढियो एवं कुरीतियों का स्थान न हो। अतः महिलाओं के भी नैतिक एवं आध्यात्मिक सशक्तिकरण की आवश्यकता है जिससे वह भारतीय संस्कारों एवं संस्कृति की संरक्षक हो।

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के माध्यम से स्वयं परमात्मा शिव धरा पर अवतरित होकर आदि सनातन देवी संस्कृति की स्थापना नारी को निमित्त बनाकर कर रहें हैं। अतः इस परिवर्तन के समय में महिलाएं परमात्मा की श्रीमत पर चलकर अपने जीवन एवं परिवार को दिव्य व श्रेष्ठ बनाएं। माधवी सिंह, संचालिका नशा मुक्ति केंद्र, पद्मा शर्मा, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष, बबिता डाबर, समाज सेवी, ऋचा शिवहरे, नीलम जगदीश गुप्ता, संस्थापिका संस्कार मण्डली, कल्पना मेहता, पूर्व अध्यक्ष इनर विल क्लब, आशा सिंह, समाज सेविका, ने विषय के अंतर्गत अपनी शुभ कामनायें रखीं।

जन-जन का कल्याण करें तू शिव की शक्ति है नारी

■ शिव आमंत्रण **रीवा।** म.प्र. के रीवा में सेवाकेंद्र प्रभारी बीके निर्मला के निर्देशन में महिलाओं के सम्मान में एक विशाल कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें नारी को अपनी शक्ति पहचानने के लिए संस्थान द्वारा सिखलाए जा रहे निःशुल्क राजयोग सिखने का आहवान किया गया। इस मौके पर महिला थाना प्रभारी आराधना सिंह परिहार, बाल कल्याण समिति की अध्यक्षा ममता नरेंद्र सिंह, आरोग्य भारती की प्रांतीय अध्यक्षा डॉ. सरोज सोनी, डॉ. पल्लवी श्रीवास्तव, वरिष्ठ अधिवक्ता शशिप्रभा समेत अनेक विशिष्ट महिलाओं को बीके निर्मला ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मनित किया और परमात्मा को पहचान उनसे सर्व शक्तियां लेकर सर्वगुण संपन्न बनने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिला थाना प्रभारी आराधना सिंह परिहार ने कहा, कि महिलाओं के तो पूरे वर्ष में 365 दिन ही होते हैं। आज से

हर दिवस हम सभी महिला दिवस के रूप में मनाएं। उन्होने कहा की, यहां ब्रह्माकुमारी संस्थान के इस कार्यक्रम में आने पर विशेष आत्मिक सुख प्राप्त हुआ। बाल कल्याण समिति की अध्यक्षा ममता नरेंद्र सिंह ने कहा, की नारी सृष्टि की शीर्ष है। महिलाएं अगर आज बच्चों को अच्छा और संस्कारवान बनाएं तो समाज जरूर अच्छा बनेगा। आरोग्य भारती की प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. सरोज सोनी ने बताया, कि ब्रह्माकुमारी आश्रम मे सर्व समस्याओं के समाधान के लिए राजयोग मेडिटेशन फ्री सीखाया जाता है। हम सभी को आज अपनी अव्यवस्थित दिनचर्या को व्यवस्थित करने का प्रण लेना चाहिए। डॉक्टर पल्लवी श्रीवास्तव ने कहा, कि नजर का इलाज तो संभव है लेकिन नजरिए का नहीं। इसके लिए नारी को खुद को जागृत करना पड़ेगा। वरिष्ठ अधिवक्ता शशिप्रभा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

महिलाएं हैं स्नेह और शक्ति की सरिता

राजकोट में महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

■ शिव आमंत्रण

राजकोट। राजकोट के पंचशील सेवाकेंद्र पर महिला दिवस के उपलक्ष्य में स्नेह और शक्ति की सरिता महिला विषय पर स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पार्षद जया डांगर, पार्षद सोनल सेगलारा, क्षेत्रीय निदेशिका बीके भारती, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके अंजू, बीके किंजल समेत अन्य सदस्यों ने कहा,

कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ करते अतिथि।

कि वर्तमान समय महिलाओं के सशक्तिकरण और उसके उत्थान की अति आवश्यकता है। बीके भगवती ने महिलाओं को स्नेह और शक्ति की सरिता कहा। महिलाओं को अपना दैवी स्वरूप जगाने का आहवान किया और साथही सदा परमात्मा की छत्रछाया मे रहने की सलाह दी। डॉ. गौरवी ने अनेक जीवंत उदाहरण देकर नारी के शक्ति स्वरूप को पहचानने की बात कही। गीता बेन पटेल ने कहा, सत्य के मार्ग पर रहकर स्वयं को शक्तियों से भरे, सदा एक्टिव रहे। ऐसे ही रविर।ा पार्क सेवाकेंद्र पर भी इसी विषय के तहत महिलाओं के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। पार्षद दक्षा वशानी, आशा उपाध्याय, मानव कल्याण मण्डल से गीता पटेल, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नलिनी समेत अन्य महिलाओं ने अनेक उदाहरण के ज़रिए नारी के शक्ति स्वरूप को पहचानने की बात कही। आगे राजकोट के शास्त्रीनगर सेवाकेंद्र पर भी आयोजित कार्यक्रम में कविता जोशी, बीके दक्षा ने कहा, कि जैसे संस्कार मां में होंगे वहीं संस्कार बच्चों में भी आते हैं इसलिए महिलाओं को अपने अंदर मूल्यों का विकास करना चाहिए।

वुमेन आयकन सदर्न अवार्ड से बीके सुनीता सम्मानित

■ शिव आमंत्रण **सूरत।** महिलाओं के सम्मान में गुजरात के सुरत में तीन कार्यक्रमों का आयोजन हुआ जिसमें आबूरोड स्थित ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मुख्यालय शांतिवन निवासी बीके डॉ. सुनिता को सम्मानित किया गया। सदर्न गुजरात चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इन्ड्रस्टी के विमेन विंग द्वारा प्रतिभाशाली विमेन आयकन सदर्न अवार्ड से उनको सम्मानित किया गया। यह अवार्ड बीके सुनिता को फिल्म अभिनेत्री अप्रा मेहता द्वारा प्रदान किया गया। ऐसे ही भारतीय जैन संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विमेन चेतना अवार्ड का सम्मान बीके सुनिता को मिला। इसमें सूरत के सचिन सेवाकेंद्र पर नारी समाज की वास्तविक वास्तुकार विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बीके सुनिता और सचिन सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रीना, पलसाना सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके सविता को ग्लोबल डिवाइन विमेन अवार्ड सासंद दर्शना जरदोश और पूर्व महापौर अस्मिता शिरोया द्वारा प्रदान किया गया।

माता का प्रभाव सारे कुटुंब पर पड़ता है

■ शिव आमंत्रण **पठानकोट।** पंजाब के पठानकोट सेवाकेंद्र की ओर से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया जिसमें भारी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में महिला दिवस की बधाई देते हुए सेवाकेंद्र प्रभारी सत्या ने कहा, माता केवल बच्चों की ही गुरू नहीं होती बल्कि उसका प्रभाव सारे कुटुंब पर पड़ता है। वह घर की रक्षिका देवी है। वह चरित्र को सवारने वाली, मर्यादा कायम रखने के निमित्त है। बीके गीता ने सभी महिलाओं को कमेंट्री के द्वारा राजयोग का अभ्यास कराया। बीके प्रताप ने सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल बी.एस. परमार की धर्मप।ी अनीता परमार ने कहा, आज यहां आकर अद्भुत शांति का अनुभव हुआ है। डॉ. सुभाष गुप्ता(एमडी) की धर्मप।ी अनीता गुप्ता, मीनाक्षी कांता वालिया, कांता महाजन, विजयपुरी आदि ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

बीके कुंती को समाज रत्न अवार्ड से नवाजा

■ शिव आमंत्रण **मुंबई।** मुम्बई में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नेशनल ह्यूमन राइट्स एंड सोशल जस्टिस कमिशन द्वारा महिलाओं के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में मलाड सेवाकेंद्रो की प्रभारी बीके कुंती को विशेष अतिथि के रूप में आंमत्रित किया और 'महिला समाज रत्न। 2021' अवार्ड से सम्मानित किया। कार्यक्रम में बीके कुंती ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास पर जोर दिया।

परमात्मा इस सृष्टि पर हो चुके हैं अवतरित

■ शिव आमंत्रण **पटना।** शिवरात्रि के उपलक्ष में पटना के भूतनाथ में शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें राजमहल रिसोर्ट के मालिक अजय यादव, पूनम शर्मा (वार्ड परिषद) और ब्रह्माकुमारीज पटना के भूतनाथ सेंटर की मुख्य प्रशासिका बीके विभा और अन्य भाई-बहने शामिल रहे। इस मौके पर बीके विभा ने बताया, कि परमात्मा गीता में किए गए वायदे अनुसार इस सृष्टि पर अवतरीत हैं। उस परमात्मा को जान कर उससे असीम सुख-शान्ति की प्राप्ति के लिए आप सेवा केंद्र पर आ सकते है। राजमहल रिसोर्ट के मालिक अजय यादव ने कहा, यह संस्था समाज की उन्नति के लिए बहुत ही अच्छा कार्य कर रही है। पूनम शर्मा ने बताया, अब सच में लग रहा है कि यह परमात्म अवतरण का समय है क्योंकि दुख, अशांति बहुत बढ़ गई है। शोभा यात्रा भूतनाथ सेंटर से निकाली गई और कांटी फैक्ट्री रोड, अगम कुआं थाना भागवत नगर होते हुए वापस फिर भूतनाथ सेंटर पर समापन की गई।

25 लोगों ने किया रक्तदान, 35 का किया निःशुल्क नेत्र परीक्षण

रक्तदान शिविर का दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन करते अतिथि।

■ शिव आमंत्रण । बीरगंज। नेपाल के बीरगंज सेवाकेन्द्र पर एक दिवसीय रक्तदान शिविर तथा निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर सम्पन्न हुआ, जहां क्षेत्रीय प्रभारी बीके रविना, नेपाल चिकित्सक महासंघ पर्सा के अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार सिंह, नेपाल रेडक्रॉस सोसाइटी पर्सा की उपसभापति एवं रक्त संचार केन्द्र बीरगंज की संयोजिका मधुराणा समेत कई अतिथि मौजूद थे। इस अवसर पर बीके रविना ने जीवन में रक्तदान का महत्व बताया। इस मौके पर 25 लोगो ने रक्तदान किया तो 35 लोगों ने निःशुल्क नेत्र चिकित्सा का लाभ लिया । कई लोगों को समाज में श्रेष्ठ कार्यों के लिए सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

महिलाओं के बिना संस्कृति अधूरी

कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

■ शिव आमंत्रण । जयपुर। महिला दिवस पर अगली खबर जयपुर के राजापार्क सेवाकेंद्र से है जहां सबज़ोन प्रभारी बीके पूनम ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा विश्व में व्याप्त कुरीतियों को मिटाने, समाज में नैतिक मूल्यों का समावेश करने एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से बताया साथ ही राजस्थान महिला आयोग की अध्यक्षा सुमन शर्मा, सिंगर डॉ अकाक्षा कटारिया इंटरनेशनल एंकर डॉ. खुशबू कपूर समेत अनेक प्रतिष्ठित महिलाओं ने अपने विचार रखे। पूनम ने बताया कि संस्था में करीब 40 हजार ब्रह्माकुमारी महिला सशक्तिकरण का कार्य कर रही हैं। लोगों के नैतिक एवं चारित्रिक विकास के कार्य को भी पूर्ण करने में कार्यरत है। पद्मश्री से सम्मानित श्रीमती गुलाबो सपेरा ने कहा, कि चाहे बेटा हो या बेटी हर एक माता-पिता को दोनों को समान मानना चाहिए। साथ ही अपन जीवन में कभी पीछे मूडकर नही देखना चाहिए। राजस्थान महिला आयोग की पूर्व अध्यक्षा सुमन शर्मा ने भी विचार रखे।

महाशिवरात्रि ▶ सुन्नी में आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री वीरेंद्र कंवर ने कहा-

45 हजार बहनें प्यार से रहती हैं इससे बड़ा भगवान के अवतरण का क्या प्रमाण होगा

सभा में हिमाचल प्रदेश के कृषि मंत्री वीरेंद्र कंवर का सम्मान किया गया।

■ शिव आमंत्रण

सुन्नी। हिमाचल प्रदेश के सुन्नी उपसेवाकेंद्र पर महाशिवरात्रि और महिला दिवस के उपलक्ष्य में आध्यात्मिक सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें ग्रामीण विकास, पंचायती राज, कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य पालन मंत्री वीरेंद्र कंवर ने कहा, कि ब्रह्माकुमारी बहनें सचमुच देवियां हैं। इस सम्मेलन मे हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण विकास, पंचायती राज, कृषि, पशु पालन एवं मत्स्य पालन मंत्री वीरेंद्र कंवर ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। इस कार्यक्रम मे उनके साथ हिमाचल प्रदेश के गौसेवा आयोग उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, मंडलाध्यक्ष शिमला ग्रामीण दिनेश ठाकुर, उपमंडलाधिकारी शिमला ग्रामीण मनोज कुमार, जिला पंचायत अधिकारी विजय वरागटा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे । वीरेंद्र कंवर ने महिलाओं के उत्थान के लिए गाँव गाँव जा कर आध्यात्मिक सेवा करने और समाज से छुआछूत, अंधविश्वास तथा व्यसन जैसी बुराइयों को छुडाने की सेवा के लिए ब्रह्माकुमारीयों की भूरी भूरी प्रशंसा की। उन्होने कहा, की ये ब्रह्माकुमारी बहने सचमुच देवियाँ हैं, शिव शक्तियाँ हैं और सच्ची सच्ची पार्वतीयां हैं जो वर्तमान समय परमात्मा शिव के साथ शिवशक्ति बन कर विश्व कल्याण का कार्य कर रही हैं। यह सबसे बडा आश्चर्य है, कि आज हमारे घरों मे दो महिलाएं प्रेम से एक साथ नहीं रह सकती वहाँ इस संस्था मे लगभग 45 हजार ब्रह्माकुमारी बहनें बडे प्यार से एक परिवार की तरह रह भी रही हैं और जन सेवा भी कर रही है। भगवान के इस धरा पर अवतरण होने का इससे बडा प्रमाण और क्या हो सकता है । इस कार्यक्रम मे चंडीगढ़ से पधारी बीके अनीता ने शिवरात्रि और महिला दिवस को संयुक्त रूप से मनाने का रहस्य खोल कर बताया की कैसे परमात्मा शिव ने समग्र नारी जाति को शिव शक्ति बना कर इस विश्व को पुनः स्वर्ग बनाने के लिए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की स्थापना की जिसमे केवल बहने ही सारा संचालन करती हैं, भाई मात्र सहयोग देते हैं। मुख्य अतिथि वीरेंद्र कंवर को इस अवसर पर एक विशेष मोमेंटों भी अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय की ओर से भेंट किया और कार्यक्रम के अंत मे सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

फर्रुखाबाद - उत्तर प्रदेश के बीबीगंज सेवाकेंद्र पर स्वामी भानुप्रसाद त्यागी महाराज को शिव आमंत्रण भेंट कर शिवरात्रि के अवसर पर (बाबा निमकरोरी धाम) शिव पिता का परिचाय देते हुए सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मंजू।

जब नारी गरजती है तो इतिहास बदल देती है भारतीय संस्कृति का मूल है वंदे मातरम् का उद्घोष

■ शिव आमंत्रण । छतरपुर। । भारतीय संस्कृति में नारी को सदा सम्मान दिया जाता है। वंदे मातरम् का उद्घोष भारतीय संस्कृति का मूल है। नारी को मां का आदर्श स्थान प्राप्त है। नारी सदा पूजनीय रही है। नारी एक ओर शक्ति रूपा है तो दूसरी ओर रहमदिल है। वो सुन्दर है, सौम्य है तो काली रूपा भी है। वो कोमल है लेकिन कमजोर नहीं। वो सरल है, सहज है लेकिन असाधारण है। उक्त विचार छतरपुर विश्वनाथ कॉलोनी (म.प्र.) सेवाकेंद्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित महिला सम्मेलन मे खजुराहो सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके विद्या ने व्यक्त किये। भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष द्रोपदी कुशवाह ने शॉल ओढ़ाकर बीके विद्या का सम्मान किया। विशिष्ठ अतिथियों के रूप में कोमल टिकरिया (जिलाध्यक्ष वैश्य महासम्मेलन, उपाध्यक्ष गहोई वैश्य महिला मंडल, डिस्ट्रिक्ट चेयरमेन लायनेस क्लब, ट्रेजरार रोटरी क्लब), किरण ब्रजपुरिया (लायनेस क्लब अध्यक्ष), बहन दीप्ति प्यासी (सक्रिय युवा समाजसेवी), द्रोपदी कुशवाह (भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष), सरोज छारी (अधीक्षक बाल सुधार ग्रह), सुनीता पथोरिया (वरिष्ठ समाज सेवी), लोकपाल सिंह (ट्रस्टी निर्वाणा फाउण्डेशन) मंचासीन रहें। अतिथियों ने कहा कि एक बेहतर समाज की परिकल्पना नारी के बगैर अधूरी है। ''अगर एक आदमी को शिक्षित किया जाता है तो एक आदमी ही शिक्षित होता है लेकिन एक औरत को शिक्षित किया जाता है तो एक पीढ़ी शिक्षित होती है।

हम सिर्फ महिला नहीं महाशक्ति हैं

■ शिव आमंत्रण । कामठी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की शाखा रनाला में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्रमुख मार्गदर्शक के रुप में मंत्री तथा ड्रैगन पैलेस टेंपल की संस्थापिका एड. सुलेखा कुंभारे ने वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के द्वारा ऑनलाइन वेबीनार को संबोधित करते हुए संविधान में महिलाओं को दिया गया समानता का अधिकार गौरवपूर्ण बताया। बेटा और बेटी में फर्क करना हमारी भूल है। ऐसा एक भी क्षेत्र नहीं जहां महिलाओं ने हिस्सा ना लिया हो। महिलाएं सभी क्षेत्र में आत्मविश्वास से अपने को देखें कि हम सिर्फ महिला नहीं लेकिन एक व्यक्ति है, एक महाशक्ति है और इसका पर्व करके हम अंतरराष्ट्रीय महिला दिन मनाते है। कामठी सेवा केंद्र संचालिका बीके प्रेमलता ने सभी महिलाओं को शुभकामना देते हुए कहा, कि नारी बहुत महान शक्ति है, उसमें अदम्य साहस और शक्ति है। 21वीं सदी में नारी सशक्त नारी की भूमिका निभा रही है फिर भी समाज के कई हिस्सों में महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं। आत्म चिंतन से ही आंतरिक सशक्तिकरण संभव है।कोरोना महामारी के समय सराहनीय कार्य करने के लिए डॉ. उज्वला कलंत्री, डॉ. मंजू राठी, शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए अनीता लिंगाया, प्रिंसिपल अलका सोनावने, राजकीय तथा सामाजिक क्षेत्र में रनाला गांव की सरपंच सौ. सुवर्णाताई साबरे का सम्मान किया गया।

महाशिवरात्रि ▸ इंदौर में सर्वधर्म सम्मेलन का आयोजन

अधर्म का नाश कर एक सत्धर्म की स्थापना करने अवतरित होते हैं परमात्मा शिव

■ शिव आमंत्रण

इंदौर ▮ समाजिक सद्भावना के उद्देश्य को लेकर इंदौर के कालानी नगर सेवाकेंद्र पर आयोजित सर्वधर्म सम्मेलन में अविनाशी अखंड धाम से राजानंद महाराज, मुस्लिम धर्म से मोहम्मद स्माइल साबरी, तोपखाना साहिब गुरूद्वारे से परमजीत सिंह जानी, न्यू एपोस्टोलिक चर्च से हरिसन करौले मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप जलाकर एवं शिव तांडव नृत्य के साथ हुआ। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके जयंति ने अपने व्यक्तव्य में कहा, कि परमात्मा के अवतरण का यादगार ही महाशिवरात्री पर्व है और सुख, शांति का साम्राज्य स्थापित करना ही उनका मुख्य कर्तव्य है। कलयुग के इस अंतिम समय में चारों और अधर्म का बोलबाला है और इसी अधर्म को समाप्त कर सत्य धर्म की स्थापना करने के लिए परमात्मा इस समय साधारण मनुष्य तन में अवतरित होकर स्वयं अपना परिचय देते हैं तथा सुख शांति की दुनिया की स्थापना करते हैं। इस मौके पर परमजीत सिंह जानी ने बताया कि धर्म एक रेड सिग्नल की तरह

दीप प्रज्ज्वलन करते हुए धर्मगुरु एवं बीके भाई -बहनें।

है जो हमें गलत कर्म करने से रोकता है। स्वामी राजानंद जी महाराज ने शांति प्राप्ति को ही धर्म का स्वरूप बताया। तथा मोहम्मद इस्माइल साबरी ने आपसी भाईचारे और एकता को ही धर्म की संज्ञा दी। जबकि श्री हरिसन करौले ने धर्म के नाम पर प्रेम, शांति और सौहार्द को बनाए रखने की प्रेरणा दी। तत्पश्चात सभी धर्मों से पधारे अतिथियों द्वारा शिव ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न किया गया तथा ब्रह्माकुमारी कविता दीदी ने सभी को शिव ध्वज के नीचे प्रतिज्ञा करवाई, अतिथियों को ईश्वरीय सौगात देकर कार्यक्रम संपन्न किया गया। सर्वप्रथम ईश्वरीय स्मृति तथा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई और कु. श्रेयसी तथा कु. सोनिया ने शिव महिमा पर प्रस्तुति दी।

गाजियाबाद के वसुंधरा भवन का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया

दीप प्रज्ज्वलन कर शिवरात्रि महोत्सव का उद्घाटन करते हुए अतिथि।

■ शिव आमंत्रण ▮ गाजियाबाद ▮ ब्रह्माकुमारीज़ गाज़ियाबाद के वसुंधरा भवन का 30वां वार्षिकोत्सव और 85वीं शिवजयंती धूमधाम के साथ मनायी गई जो बीके रंजना और बीके ईशू के नेतृत्व में संपन्न हुई। इस मौके पर इंदौर से आई वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके रूचि ने व्यस्तता में भी हम कैसे बिना तनाव लिए हल्के रह सकते हैं और कैसे राजयोग मेडिटेशन का नियमित अभ्यास करने से जीवन सहज और सरल बन जाता हैं इसका युक्ति बताई। बीके सतीश ने महाशिवरात्रि पर्व का सभी को आध्यात्मिक रहस्य बताया। बीके राजेश दीदी ने भी महाशिवरात्रि की विशेषता व क्यों मनाई जाती है से अवगत कराया ।

शंकर और नारद के संवाद से स्पष्ट किया शिव- शंकर मे अंतर

पठानकोट में निकाली गई शिव संदेश शांति यात्रा का एक दृश्य।

■ शिव आमंत्रण ▮ पठानकोट ▮ पंजाब के पठानकोट सेवाकेंद्र की ओर से शिव जयंती का पावन पर्व धूमधाम से मनाया गया। शिव शंकर की चैतन्य झांकी सजाई गई। शंकर व नारद का संवाद हुआ, जिसमें शंकर व शिव का अंतर स्पष्ट किया गया। शिवध्वज फहराया गया एवम् शिव संदेश यात्रा निकाली गई। शिवजयंती के अवसर पर बीके प्रताप ने सबसे अवगुण छोड़ने की प्रतिज्ञा कराई। शिवा बाबा के दिव्य अलौकिक 85 वे बर्थडे का केक भी काटा गया। मुख्य अतिथि व्यवसायी सुनील कुमार को केंद्र प्रभारी सत्या ने गिफ्ट देकर सम्मानित किया। कु. हर्षिता ने सभी का नृत्य गीत द्वारा स्वागत किया।

आयोजन ▸ 85वां शिव जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

महाशिवरात्रि पर 12 ज्योतिर्लिंगम दर्शन कार्यक्रम आयोजित

■ शिव आमंत्रण ▮ सादाबाद ▮ यूपी के सादाबाद में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा महा शिवरात्रि के उपलक्ष्य में 85वां शिव जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। ब्रह्माकुमारीज के शिव शक्ति भवन पर उपजिलाधिकारी राजेश कुमार एवं हाथरस जनपद प्रभारी बीके सीता, दिलेर भाई द्वारा शिव के बारह ज्योतिर्लिंगम दर्शन कार्यक्रम का उद्घाटन किया। रामेश्वर,

शोभायात्रा में शंकर-पार्वती की झांकी रही आकर्षण का केंद्र।

सोमनाथ, भीमाशंकर, मल्लिकार्जुन आदि की आरती एवं फूल मालाओं द्वारा शिवबाबा का स्वागत किया गया।

उसके पश्चात शिव बाबा की बरात में सुंदर सुंदर झांकियां, शंकर पार्वती, गणेश की भव्य झांकी, श्री लक्ष्मी श्री नारायण की झाँकी, रामेश्वरम की झांकी आकर्षण का केन्द्र रही । उसके पश्चात मंचीय कार्यक्रम हुआ।

नई राहें

बीके पुष्पेन्द्र
संयुक्त संपादक, शिव आमंत्रण

आपदा और आत्मबल

कल तक जो इंसान अपनी शानो-शौकत में कसीदें पढ़ना नहीं भूलता था, आज वह सांसों को बचाने के लिए मशक्कत कर रहा है। अस्पताल मरीजों से भरे पड़े हैं। इंसान एक-एक सांस के लिए ईश्वर से दुआ मांग रहा है। ऐसे भय, अवसाद, निराशा और डर के माहौल के बीच आपके उत्साह भरे दो बोल किसी के लिए नया जीवन दे सकते हैं। विपदा आई है तो एक दिन चली भी जाएगी, लेकिन ऐसे वक्त में किसी के लिए बढ़ाए गए मदद के हाथ और सांत्वना किसी के लिए संजीवनी बूटी के समान है। सृष्टि चक्र में पहले भी कई महामारियां आई हैं, इन पर जीत पाने में इंसान का आत्मबल ही सबसे बड़ी पूंजी रही है। ऐसे कई लोगों के अनुभव रहे हैं कि उन्होंने कैंसर जैसी असाध्य और गंभीर बीमारी में आत्मबल से जीत हासिल की। आत्मबल से ही कई कमजोर खिलाड़ियों ने अपने से ज्यादा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को परास्त कर मैदान मारा। आत्मबल की शक्ति दुनिया की सबसे बड़ी और आपकी निजी संपत्ति है। जिसे न तो कोई चुरा सकता है और न ही छीन सकता है। आपका आत्मबल जितना अडिग और अडोल होगा परिस्थिति उतनी ही सरल और सहज नजर आएगी। आत्मबल को हम दिव्यगुणों की धारण, संयमित जीवनशैली, योग-साधना, प्राणायाम और सकारात्मक चिंतन के माध्यम से विकसित कर सकते हैं। आध्यात्मिक पुस्तकों के पठन-पाठन, धर्मग्रंथों के अध्ययन और राजयोग मेडिटेशन के नियमित अभ्यास से आत्मबल में बढ़ोतरी होती है। अपने जीवन में आत्मबल और संकल्प शक्ति से मिसाल पेश करने वाले कुछ लोगों की जीवन कहानी आपके समक्ष पेश कर रहे हैं-

केस-1 : मप्र, खंडवा जिले के पंधानी निवासी ब्रह्मकुमारी सुरेखा के लिए अचानक मालूम चला कि उन्हें कैंसर है। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और उसी वक्त मन में ठान लिया कि अब मिसाल पेश करनी है। उन्होंने अंतर्मन की शक्ति का प्रयोग कर, आत्मबल और परमात्मा की शक्ति से चंद दिनों में ही इससे मुक्ति पा ली। आज उनकी जिंदगी खुशहाल गुजर रही है।

आत्मबल की शक्ति दुनिया की सबसे बड़ी और आपकी निजी संपत्ति है। जिसे न तो कोई चुरा सकता है और न ही छीन सकता है।

केस-2 : राजस्थान, कोटा के रामगंज निवासी पेशे से योगा शिक्षिका रक्षिता सोनी को योग कराते-कराते अचानक वीकनेस महसूस हुई और सामान्य कमजोरी दिखी। डॉक्टर को दिखाया तो उन्होंने कैंसर के लक्षण बताए। लेकिन उन्होंने हार नहीं माली और कैंसर जैसी असाध्य बीमारी को अपने साहस और आत्मबल की शक्ति से जीत लिया। बीमारी का पता चलते ही मन में एक ही संकल्प कि इसे दूर भगाना है, जीतना है, कुछ कर दिखाना है।

केस-3 : राजस्थान के सीकर निवासी ओमप्रकाश दीक्षित का जीवन बीमारी के कारण दुःख और तनाव में गुजर रहा था। दो कदम चलना भी मुश्किल हो गया था। तनाव से दिन का चैन और रात की नींद गायब हो गई थी। वजन 120 किलो हो गया था, लेकिन अब धमनियों के बंद ब्लॉकेज फिर से खुलने लगे हैं। यह सब संभव हुआ नियमित राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास, सात्विक भोजन से। इन सबमें महत्वपूर्ण रहा उनमें हालात को बदलने की इच्छाशक्ति और आत्मबल। जो दीक्षित की जिंदगी को फिर से खुशहाल बनाने में मील का पत्थर साबित हुआ। कोरोना रूपी महामारी जो हमारे बीच काल का रूप बनकर आई है जो एक दिन चली भी जाएगी लेकिन इन सबके बीच अपना आत्मबल न खोएं।

वंडर्स ऑफ BRAHMAKUMARIS

इस कॉलम में हम आपको हर बार ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के भाई-बहनों द्वारा समाजसेवा के क्षेत्र में मिलने वाले पुरस्कारों से रुबरु कराएंगे...

इंडिया न्यूज चैनल ने किया सम्मानित

अवार्ड स्वीकारते हुए बीके मृत्युंजय।

■ शिव आमंत्रण । आबूरोड । सिरोही जिले के समाजसेवियों के सम्मान और प्रोत्साहन के लिए इंडिया न्यूज - राजस्थान की ओर से ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मनमोहिनीवन स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में एक्सीलेंस ऑफ एचीवमेंट अवॉर्ड समारोह आयोजित किया गया। चैनल के सम्पादक मनु शर्मा ने संस्था के सेवाकार्यों को सराहा। ब्रह्माकुमारीज के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय को भी मूल्य शिक्षा और आध्यात्मिकता में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अतिरिक्त जिला कलेक्टर गितेश मालवीय व सम्पादक मनु शर्मा ने प्रशस्ति पत्र के साथ मोमेंटों भेंट किया। बीके उषा और संस्थान के पीआरओ बीके कोमल को भी सम्मानित किया गया।

बॉडी बिल्डिंग में बीके सागर को द्वितीय स्थान

■ शिव आमंत्रण । आबूरोड । अजमेर डिस्ट्रीक्ट बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन द्वारा बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप कॉम्पटीशन का आयोजन किया गया था जिसमें शांतिवन के बीके सागर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बीके सागर ने अजमेर डिस्ट्रीक्ट बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन द्वारा प्राप्त मेडल व सर्टिफिकेट को पुनः ब्रह्माकुमारीज़ की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी और संस्था के महासचिव बीके निर्वैर से स्वीकार कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। गौरतलब है कि बीके सागर लम्बे समय से संस्थान के शांतिवन में रहते है और उन्होंने यह साबित कर दिया है कि शाकाहारी भोजन, राजयोग ध्यान से किसी भी कार्य में सहज ही सफलता प्राप्त की जा सकती है।

बीके गुलाब को मिला सड़क सुरक्षा सर्टिफिकेट

■ शिव आमंत्रण । भुवनेश्वर । भुवनेश्वर के पटिया सेवाकेंद्र द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा मास के अन्तर्गत सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा थीम पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसके सराहनीय प्रयास को देखते हुए ट्रैफिक डीसीपी डॉ. किशोर चंद्र पाणिग्रही ने सेवाकेंद्र प्रभारी बीके गुलाब को सर्टिफिकेट देकर प्रोत्साहित किया और ऐसे कार्यक्रम भविष्य में भी करते रहने का आग्रह किया।

Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2021-23, Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2021
Posted at Shantivan P.O. Dt. 17- 20 of Each Month

सम्मान कोरोना में तन-मन की समस्याओं को दूर कर रहा ब्रह्माकुमारीज़ संस्थानः **उपराष्ट्रपति**

उपराष्ट्रपति नायडू व केंद्रीय मंत्री रविशंकर ने जारी किया दादी जानकी का पोस्टल स्टाम्प

केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद बोले- दादी जानकी के नाम टिकट जारी कर डाक विभाग का सम्मान बढ़ गया है

■ शिव आमंत्रण

दिल्ली/आबू रोड । ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने समाज की कुरीतियों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह संस्था केवल समाज में नहीं बल्कि प्रत्येक मन में शांति के लिए कार्य कर रही है। वर्तमान करोना कॉल में तन और मन के स्तर पर स्वास्थ्य को लेकर तमाम तरह की समस्याओं से गुजर रहे लोगों को मानसिक स्तर पर शांति देने में अपनी ब्रह्माकुमारीज संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभायें। उक्त उदगार उपराष्ट्रपति वेंकैय्या नायडू ने व्यक्त किये। उपराष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में दादी जानकी पर डॉक टिकट

जारी करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि भारत की स्प्रीअल टीचर दादी जानकी का आवाज पूरे विश्व ने सुना है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान पूरे विश्व में मूल्यों और संस्कृति के लिए जानी जाती है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान ने महिलाओं के समान, सम्मान और प्रतिष्ठा के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया है और कर रही है। समाज में व्याप्त वाद और तमाम तरह की सामाजिक विकृतियों को सहज और सरल भाषा में दूर कर रही है। इससे समाज में शांति और सौहार्द्र पैदा होती है। भारतीय मूल्य और परम्परा को पूरे विश्व में जीवंत किया है। दादी जानकी का जीवन हमेशा लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत रहेगा।

कार्यक्रम में सूचना एवं टेलीकम्युनिकेशन केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पोस्टल डिपार्टमेंट महान लोगों के सम्मान में डाक टिकट जारी करता है। लेकिन आज वास्तव में पोस्टल डिपार्टमेंट का सम्मान बढ़ गया है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान ने पूरे विश्व में भारत की संस्कृति को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। सीबीआई के पूर्व निदेशक डी आर कार्तिकेयन ने कहा कि दादी का जीवन और ब्रह्माकुमारीज संस्थान के आदर्श के रूप में जाना जाता रहा है।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज संस्थान के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन, ओम शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशिका बीके आशा तथा कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय ने कहा कि आज का दिन नारी सशक्तिकरण के लिए भी जाना जायेगा। क्योंकि पूरे विश्व में सामाजिक उत्थान के लिए जिस तरह से दादी ने काम किया उनकी याद में डॉक टिकट जारी करना बेहद सम्मान की बात है।

कार्यक्रम में जीवन प्रबन्धन विशेषज्ञ बीके शिवानी ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा जीवन प्रबन्धन के बारे में भी टिप्स दिये। इस अवसर पर दादी जानकी की निजी सचिव रही बीके हंसा, बीके जेमिनी समेत कई लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति वेकैय्या नायडू तथा केन्द्रिय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने दादी जानकी का पांच रूपये का डॉक टिकट जारी किया।

उपराष्ट्रपति वेंकैय्या नायडू और रविशंकर प्रसाद ने जारी किया दादी जानकी का पोस्टल स्टेम्प

● प्रकाशक एवं मुद्रकः ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डीबी कॉर्प लिमिटेड जयपुर से मुद्रित ● संपादकः ब्र.कु. कोमल ● संयुक्त संपादकः ब्र.कु. पुष्पेन्द्र ● RNI No.: RJHIN/2013/53539